राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 12 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–261 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने उत्तराखंड दौरे से पहले की अपनी 'मन की बात'

जागेश्वर धाम से जुड़ी रखी यह खास डिमांड

अल्मोड़ा। पीएम मोदी ने 12 अक्तूबर को उत्तराखंड के अल्मोड़ा, और पिथौरागढ़ दौरे से पहले अपनी 'मन की बात'की है। उन्होंने उत्तराखंड के अल्मोड़ा स्थित जागेश्वर धाम पहुंचने से अपने एक डिमांड भी रखी है। पीएम मोदी की डिमांड का खास ख्याल रखा जा रहा है। पीएम मोदी की डिमांड को पूरा करने के लिए तैयारी भी की जा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जागेश्वर धाम के इतिहास का सार सुनने की इच्छा जताई है। प्रधानमंत्री की मन की बात जानने के बाद प्रबंधन समिति ने यहां के मंदिर समूह और ज्योतिर्लिंगों के इतिहास का रोचक सार तैयार किया है। इसमें मंदिर की अद्वितीय एवं अलौकिक कलाकृति का भी वर्णन शामिल किया है। जल्द ही यह सार प्रशासन के माध्यम से एसपीजी के पास पहुंच जाएगा। पीएम मोदी को ये सार किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने सुनाना है। प्रधानमंत्री के जागेश्वर धाम आने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर समिति और पुजारी प्रतिनिधि मोदी की अगवानी में कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहते।

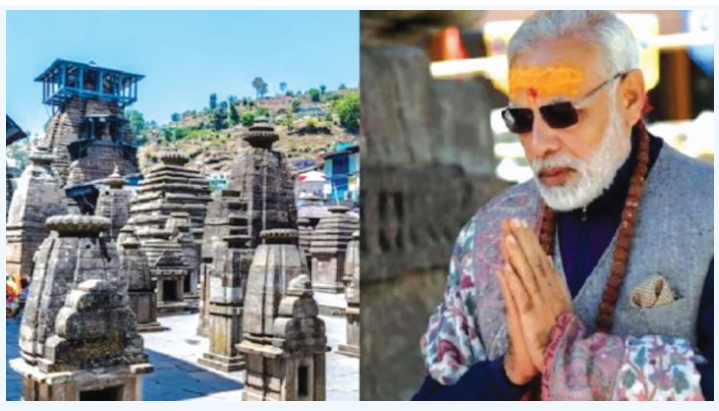

इस मंत्र का होगा उच्चारण...

सौराष्टे सोमनाथं च श्री शैलिमल्लिकार्जुनम्
उज्जयिन्ता महाकालमोडुरममलेश्वरम्।।
परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशुडुरम्।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने ।।
वाराणस्यां तु विश्वेशं त्रयम्बकं गौमती तटे।
हिमालये तु केदारं धुश्मेशं च शिवालये।।

एसपीजी के साथ बैठक के बाद मंदिर समिति ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी करीब 22 मिनट मंदिर परिसर में रहेंगे। इस दौरान उन्होंने विधि विधान से पूजन के अलावा मंदिर का इतिहास मंदिर परिसर में ही बैठकर सुनने की इच्छा जताई है।

इसके बाद पुजारियों ने गहन अध्ययन कर और स्थानीय बुजुर्गों की भी राय लेकर मंदिर के इतिहास का सार तैयार किया है। खास बात यह है कि ये सार पुजारी नहीं किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने प्रधानमंत्री को सुनाना है।

मंदिर समूह की स्थापना व महत्व भी बताएंगे मंदिर के पुजारियों के मुताबिक, जागेश्वर धाम में मुख्य तौर पर शिव, विष्णु, शक्ति और सूर्य देव की पूजा होती है। दंडेश्वर मंदिर, चंडिका मंदिर, जागेश्वर मंदिर, कुबेर मंदिर, महामृत्युंजय मंदिर, नंदा देवी या नौ दुर्गा, नवग्रह मंदिर और सूर्य मंदिर यहां के प्रमुख मंदिर हैं।

पुष्टि माता और भैरव देव मंदिर का विशेष महत्व है। मंदिरों का महत्व और स्थापना की जानकारी भी प्रधानमंत्री को दी जाएगी।

दो भाषाओं में सुनाया जाएगा सार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह सार संस्कृत और हिन्दी, दोनों भाषाओं में सुनाया जाएगा। पुजारियों ने उसका कुछ हिस्सा आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान' के संवाददाता को भी बताया। प्रधानमंत्री को बताया जाएगा कि जागेश्वर धाम के उत्तर में वृद्ध जागेश्वर मंदिर और पूर्व में कोटेश्वर स्थित है।

कोटेश्वर में करोड़ों ईश्वरों के देवस्थलों के अवशेष विद्यमान हैं। धाम के पश्चिम में दण्डेश्वर मन्दिर है। दक्षिण दिशा में दानवी गतिविधियों पर नियंत्रण करने वाले झाकर सैम देव जी का मन्दिर विराजमान है। कहा जाता है कि जागेश्वर मंदिर की स्थापना कत्यूरी नरेश शालिवाहन ने की थी।

जिसे शंकराचार्य की ओर से पुन स्थापित किया गया था। बाद में चन्द राजाओं ने अपने अपने शासन काल में इसका जीर्णोद्धार किया।

ड्रेस कोड पर नहीं बनी बात

जागेश्वर धाम में पीएम मोदी के स्वागत और पूजा-अर्चना के लिए 17 पंडितों को चिह्नित किया गया है। पहले तय किया गया था कि पंडितों के लिए ड्रेस कोड लागू होगा। इसके लिए करीब 40 हजार रुपये का बजट तय किया गया था, लेकिन प्रस्ताव एवं बजट को देखते हुए ड्रेस कोड को अनुमति नहीं मिल पाई। पंडितों से कार्यक्रम में साफ-सुथरे और प्रेस किए हुए कपड़े पहनकर आने को कहा गया है।

मंदिर प्रबंधन की ओर से जिला प्रशासन को जागेश्वर धाम का संक्षिप्त इतिहास और महत्व लिखित में दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी को जागेश्वर धाम की जानकारी पढ़कर सुनाई जाएगी। यह हमारे लिए गर्व का विषय है।

ज्योत्सना पंत, प्रबंधक, मंदिर समिति, जागेश्वर

अल्पसंख्यकों से मुलाकात के लिए भाजपा सरकार चलाएगी मुहीम

विस चुनावों के बाद शुरू होगा स्नेह वंदन अभियान

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक समुदाय का समर्थन हासिल करने के लिए भाजपा 2024 के संसदीय चुनाव से पहले 'अल्पसंख्यक स्नेह संवाद' अभियान चलाएगी। पार्टी की ओर से कहा गया है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अल्पसंख्यक स्नेह संवाद अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम की तिथियां अभी घोषित नहीं की गई हैं। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद इस अभियान को शुरू कर अगले साल लोकसभा के चुनाव तक चलाया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्तर पर एक सभा को संबोधित करेंगे। सूत्रों के अनुसार इस अभियान के जरिये मोदी मित्र और केंद्रीय योजनाओं की लाभार्थी महिलाएं अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाड़ियों और प्रभावशाली नेताओं से संपर्क साधेंगे। अभियान की शुरुआत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे।

स्नेह संवाद में बूथ की मजबूती पर जोर

पार्टी सूत्रों का कहना है कि अल्पसंख्यक स्नेह संवाद के तहत बूथ की मजबूती, अल्पसंख्यकों के साथ विशेष संपर्क, महिला सम्मेलन और सूफी संवाद का आयोजन किया जाएगा। इसका तानाबाना प्रधानमंत्री मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत, सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास और देशभक्ति व राष्ट्रवाद से प्रेरित रहेगा। सूत्रों ने कहा, संपर्क अभियान सबका विकास, लेकिन किसी का तुष्टीकरण नहीं के के सूत्र वाक्य पर आधारित रहेगा।

यूपी-एमपी समेत 6 राज्यों में एनएआई की छापेमारी

पीएफआई के 12 ठिकानों पर तलाशी, आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते संगठन पर लग चुका बैन

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की टीम ने बुधवार को छह राज्यों यूपी, एमपी, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में छापेमारी की। ये सर्च ऑपरेशन PFI के 12 ठिकानों पर चल रहा है। PFI को पिछले साल आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते बैन कर दिया गया था।

सरकार ने PFI पर 2022 में पांच साल का बैन लगाया-केंद्र सरकार ने पिछले साल 27 सितंबर को PFI और उससे जुड़े 8 संगठनों पर पांच साल का बैन लगाया था। गृह मंत्रालय ने इन संगठनों को बैन करने का नोटिफिकेशन जारी किया था। संगठन के खिलाफ टेरर लिंक के सबूत मिले। केंद्र सरकार ने यह एक्शन (अनलॉफुल एक्टिविटी प्रिवेंशन एक्ट) UAPA के तहत लिया। सरकार ने कहा, PFI और उससे जुड़े संगठनों की गतिविधियां देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं।

1. PFI से खतरा

PFI और इससे जुड़े संगठन गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। ये गतिविधियां देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। इनकी गतिविधियां भी देश की शांति और धार्मिक सद्भाव के लिए खतरा बन सकती हैं। ये संगठन चुपके-चुपके देश के एक तबके में यह भावना जगा रहा था कि देश में असुरक्षा है और इसके जरिए वो कट्टरपंथ को बढ़ावा दे रहा था।

2. PFI का सीक्रेट एजेंडा

क्रिमिनल और टेरर केसेस से जाहिर है कि इस संगठन ने देश की संवैधानिक शक्ति के प्रति असम्मान दिखाया है। बाहर से मिल रही फंडिंग और वैचारिक समर्थन के चलते यह देश की आतंरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। PFI खुले तौर पर तो सोशियो-इकोनॉमिक, एजुकेशनल और पॉलिटिकल ऑर्गनाइजेशन है पर ये समाज के खास वर्ग को कट्टरपंथी बनाने के अपने सीक्रेट एजेंडा पर काम कर रहा है। ये देश के लोकतंत्र को दरकिनार कर रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में आज से 'सांसों पर संकट', 200 के पार जा सकता है एक्यूआई

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता बुधवार सुबह खराब हो गई। दिन के अंत तक इसके खराब श्रेणी में पहुंचने का अनुमान है। दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह 8 बजे 196 (मध्यम) दर्ज किया गया, जो मंगलवार के 180 (मध्यम) से अधिक है। पूर्वानुमानों के अनुसार हवा की दिशा में उत्तर-पश्चिमी बदलाव और स्थानीय हवा की गति में गिरावट के कारण अगले दो दिनों तक भी दिल्ली की हवा खराब रहने की संभावना है। इससे दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों को सांस लेने में परेशानी की शुरुआत हो सकती है। हवा की दिशा में इस बदलाव से दिल्ली का न्यूनतम तापमान एक बार फिर 20 डिग्री से नीचे आ गया, आज सुबह यह 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (ईडब्ल्यूएस) ने कहा, मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है। बुधवार से

शुक्रवार तक वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी के निचले स्तर में रहने की संभावना है। अगले छह दिनों के लिए पूर्वानुमान से पता चलता है कि वायु गुणवत्ता खराब और मध्यम के बीच रह सकती है। दिल्ली में हल्की गुलाबी ठंड की शुरुआत हो चुकी है। राजधानी में सुबह-सुबह लोगों को हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। इसी बीच शुक्रवार को ठंड के मौसम में पहली बार खराब हवा दर्ज की गई। इस दौरान एक्यूआई 212 रहा। उसी दिन, सीएक्यूएम ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चरण- ढ्ढ उपायों को लागू कर दिया था। इन उपायों में 500 वर्ग मीटर से अधिक के निर्माण और विध्वंस स्थलों को बंद करना है, सड़क यातायात को कम करने के लिए कार्यालयों को अपने कर्मचारियों के लिए एकीकृत (यूनिफाइड) आवागमन शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना, समय-समय पर मशीनीकृत सफाई और सड़कों पर पानी का छिड़काव करना शामिल है। इसके अलावा बहुत ज्यादा ट्रैफिक वाले सभी चिन्हित कॉरिडोर पर यातायात पुलिस की तैनाती भी शामिल है। एक अधिकारी ने कहा, मंगलवार रात से हवाएं धीमी होने की उम्मीद है। शांत हवा की स्थिति प्रदूषकों के फैलाव को प्रभावित करेगी। इसके अलावा, नमी के स्तर में वृद्धि और सुबह के समय धुंध प्रदूषक तत्वों के फैलाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार, बुधवार से शुक्रवार तक वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी के निचले स्तर पर रहने की संभावना है।

गगनयान मिशन की पहली टेस्ट फ्लाइट 21 अक्टूबर को

नई दिल्ली। इंडियन रिसर्च स्पेस ऑर्गेनाइजेशन 21 अक्टूबर को गगनयान मिशन की पहली टेस्ट फ्लाइट भेजेगा। साइंस एंड टेक्नोलॉजी मिनिस्टर जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। टेस्ट व्हीकल डेवलपमेंट फ्लाइट का आयोजन आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में होगा। जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस टेस्ट में क्रू मॉड्यूल को आउटर स्पेस में लॉन्च करना, पृथ्वी पर वापस लाना और बंगाल की खाड़ी में टचडाउन के बाद इसे रिकवर करना शामिल है। क्रू मॉड्यूल गगनयान मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को आउटर स्पेस में ले जाएगा। क्रू मॉड्यूल को रिकवर करने के लिए नेवी ने मॉक ऑपरेशन शुरू कर दिए हैं। क्रू मॉड्यूल के अलावा TV-D1 क्रू एस्केप सिस्टम की भी जांच करेगा। मिशन के दौरान कोई परेशानी आती है तो रॉकेट में मौजूद एस्ट्रोनॉट कैसे पृथ्वी पर सुरक्षित रूप से आ सकेंगे, इसकी टेस्टिंग होगी।

अगले साल अनमैन्ड और मैन्ड मिशन लॉन्च करने की योजना-गगनयान मिशन के तहत इसरो ने अगले साल की शुरुआत में गगनयान मिशन का पहला अनमैन्ड मिशन प्लान किया है। अनमैन्ड मिशन में किसी भी मानव को स्पेस में नहीं भेजा जाएगा। अनमैन्ड मिशन के सफल होने के बाद मैन्ड मिशन होगा, जिसमें इंसान स्पेस में जाएंगे।

गगनयान के लिए इसरो ने की थी पैराशूट की टेस्टिंग-इससे पहले ISRO ने गगनयान मिशन के लिए ड्रैग पैराशूट का सफल परीक्षण 8 से 10 अगस्त के बीच चंडीगढ़ में किया था। ये पैराशूट एस्ट्रोनॉट्स की सेफ लैंडिंग में मदद करेगा। यह क्रू मॉड्यूल की स्पीड को कम करेगा, साथ ही उसे स्थिर भी रखेगा। इसके लिए एस्ट्रोनॉट्स की लैंडिंग जैसी कंडीशन्स टेस्टिंग के दौरान क्रिएट की गई थीं।

इजरायल-हमास युद्ध का भारत पर भी पड़ने लगा असर, भारी नुकसान; नौकरियां जाने का भी डर

गुरुग्राम। इजरायल-हमास के बीच चल रहे युद्ध से गुरुग्राम के उद्योगों पर असर पड़ रहा है। यहां से गारमेंट, फूड और हस्तशिल्प उद्योगों से माल की सप्लाई होती है। उड़ानें रद्द होने से उद्यमियों को करोड़ों का माल भेजने की चिंता बढ़ गई है। इजरायल में युद्ध अगर ऐसे ही चलता रहा तो जिले के उद्योगों को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। इससे कई नए ऑर्डर भी रुक जाएंगे। युद्ध लंबा चला तो इन सेक्टर में काम करने वाले हजारों लोगों के रोजगार पर भी संकट आएगा। गुरुग्राम जिले में 12 हजार उद्योग हैं। इसमें ऑटोमोबाइल के बाद ढाई हजार गारमेंट उद्योग है। इसके अलावा दो सौ फूड और हस्तशिप उद्योग है। इन तीनों उद्योगों से इजरायल को माल की सप्लाई होती है। ऑर्डर पर यहां से माल तैयार करके भेजे जाते है, लेकिन कई दिनों से इजरायल में चल रहे युद्ध से उद्यमियों की परेशानी बढ़ा दी है। दिल्ली

● गुरुग्राम जिले में 12 हजार उद्योग हैं। इसमें ऑटोमोबाइल के बाद ढाई हजार गारमेंट उद्योग है। इसके अलावा दो सौ फूड और हस्तशिप उद्योग है। इन तीनों उद्योगों से इजरायल को माल की सप्लाई होती है। ऑर्डर पर यहां से माल तैयार करके भेजे जाते है,

से इजरायल की उड़ाने रद्द की दी गई। इससे तैयार माल को उद्यमी नहीं भेज पाएंगे। यहां से हर साल ढाई सौ करोड़ रुपये से अधिक कारोबार होता है। उद्योग विहार के गारमेंट उद्यमी संजय संन्याल ने कहा कि इजरायल में युद्ध जारी रहने से अब वहां से नए ऑर्डर मिलने बंद हो जाएंगे। साथ ही जो तैयार माल है उसे भी नहीं भेज पाएंगे।

खाद्य पदार्थों के खराब होने का सता रहा डर

मानेसर गारमेंट के उद्यमी सतीश चंद ने कहा कि चार प्रतिशत गारमेंट उद्यमी यहां से इजरायल में माल सप्लाई करते हैं। युद्ध होने से यह सप्लाई बंद हो जाएगी। इससे उद्यमियों को त्योहारी सीजन में नुकसान उठना पड़ेगा। उद्योगों में तैयार माल भी भेज नहीं पाएंगे। सबसे अधिक फूड उद्योग पर पड़ेगा। क्योंकि यह ज्यादा दिनों तैयार माल को नहीं रख सकते हैं। गारमेंट उद्योग ही सौ करोड़ रुपये का कारोबार करता है। यह सब ठप होने से उद्योगों पर असर दिखाई देगा।

उद्यमियों को आर्थिक नुकसान होगा

प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि इजरायल में चले रहे युद्ध से यहां से गारमेंट एक्सपोर्ट का कारोबार बड़े स्तर पर होता है। इसके अलावा खाद्य पदार्थों और हस्तशिल्प एक्सपोर्ट हो रही है। अब युद्ध के हालात बनने से इन सब पर सीधी असर पड़ेगा। वहीं,जिन उद्यमियों ने अपने पैसे उस देश में लगा रखे हैं, उनको सीधा तौर पर नुकसान उठाना पड़ेगा। जिसका असर उद्यमियों की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ेगा।

मोदी सरकार की किसानों को बड़ा गिफ्ट देने की तैयारी, पीएम किसान सम्मान निधि में मिलेंगे 8000 रुपये

नई दिल्ली। मोदी सरकार छोटे किसानों को बड़ा गिफ्ट देने जा रही है। 2024 के चुनावों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पीएम किसान की रकम को 6000 रुपये से बढ़ाकर 8000 रुपये कर सकते हैं। इस मामले को जानने वाले दो अधिकारियों के अनुसार, सरकार छोटे किसानों के लिए साल में तीन किस्तों के रूप में दी जाने वाली पीएम किसान सम्मान निधि की रकम 6,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये करने के विकल्पों पर विचार कर रही है। पीएम किसान सम्मान निधि में इस अपडेट पर नाम न बताने की शर्त पर इन अधिकारियों ने इकोनॉमिक टाइम्स से कहा मामला अभी विचाराधीन है। यदि इसे मंजूरी मिल जाती है तो योजना पर सरकार को 20,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। यह चालू वित्तीय वर्ष में मार्च 2024 तक कार्यक्रम के लिए बजट में 60,000 करोड़ रुपये के अलावा होगा। हालांकि, वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता नानू भसीन ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। भारत में पिछले पांच वर्षों में सबसे कमजोर मॉनसूनी बारिश दर्ज की गई है, जिससे इस वर्ष प्रमुख फसलों की पैदावार कमजोर रह सकती है। दिसंबर 2018 में सब्सिडी कार्यक्रम शुरू होने के बाद से मोदी सरकार ने 11 करोड़ लाभार्थियों को कुल 2.42 लाख करोड़ रुपये दिए हैं।

एलपीजी में सब्सिडी के बाद अब गरीब

मोदी सरकार छोटे किसानों को बड़ा गिफ्ट देने जा रही है। अगले साल यानी 2024 के चुनावों को देखते हुए नरेंद्र मोदी, पीएम किसान की रकम को 6000 रुपये से बढ़ाकर 8000 रुपये कर सकते हैं।

परिवारों को राहत देने के लिए कई उपाय

अधिकारी अब डीबीटी कार्यक्रम के तहत अधिक किसानों को शामिल करने के लिए नियमों में ढील देने पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावों पर अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। सरकार गरीब परिवारों को राहत देने के लिए अन्य उपाय भी कर रही है, जैसे अगले साल मुफ्त अनाज कार्यक्रम का विस्तार करना और छोटे शहरी आवास के लिए सब्सिडी वाले ऋण पर विचार करना।

बता दें भारत के 1.4 अरब लोगों में से लगभग 65 फीसद लोग गांवों में रहते हैं। मोदी एक लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। 55 फीसद मतदाता उन्हें अनुकूल मानते हैं। हालांकि, बढ़ती असमानता और बेरोजगारी के मुद्दे चुनाव में उनके लिए चुनौती बन सकते हैं। सरकार अपने महंगाई पर काबू करने के उपायों, जैसे कि कुछ चावल निर्यात पर प्रतिबंध, ग्रामीण आय पर अंकुश लगाने के बाद किसानों की आय बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

संपादकीय

युद्ध और समझदारी

इजरायल और हमास के बीच छिड़ी जंग ने लाखों लोगों को रोने-सिसकने पर मजबूर कर दिया है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय की सूचना के अनुसार, शनिवार से जारी इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 770 फलस्तीनी मारे गए हैं और 4,000 से अधिक घायल हुए हैं। सबसे आहत करने वाली बात यह है कि मृतकों में 140 बच्चे और 120 महिलाएं शामिल हैं। ठीक ऐसा ही इजरायल में भी हुआ है, वहां आतंकी संगठन हमास ने बड़े पैमाने पर बच्चों और औरतों को मारा है। एक बड़ा सवाल है कि इन बच्चों का क्या कुसूर था? गोद में खेलने की उम्र में उन पर मिसाइल बरस रहे हैं? युद्ध या हिंसा के शौकीनों को धिक्कार है! ऐसा कौन-सा धर्म है, जो मासूम बच्चों की मौत को किसी भी पैमाने पर जायज ठहरा दे? क्या यहूदी धर्म की पुस्तकें यह बताती हैं या मुस्लिम ग्रंथों में ऐसा कोई निर्देश है? दुनिया में छोटी-छोटी कागजी बातों पर लोगों के दिल आहत हो जाते हैं, पर 140 बच्चों की मौत से कौन-कितना आहत हुआ है? कहां है मानवता और मानवाधिकार? सवाल पूछना ही होगा। सबसे पहले धर्मगुरुओं से और उसके बाद राजनीतिक आकाओं से यह समझना होगा कि ऐसी हत्याएं भला कैसे जायज हैं? अगर ऐसी हत्याएं जायज हैं, तो फिर मजहबों के मानवीय होने का बखान बंद होना चाहिए। लगभग सत्तर साल से फलस्तीन के नाम पर जो खून-खराबा हो रहा है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इन इलाकों में दुश्मनियों को इंसानी रगों में पाला जाता है, ताकि मौका आने पर खून बहाया जा सके? क्या ऐसे इलाकों में युवा जवान ही इसलिए होते हैं कि इंसानियत को शर्मसार कर सकें? कोई ऐसे दाग-धब्बों के साथ अपने देश का इतिहास लिखता है क्या? कोई रोकने वाला नहीं है। कोई आतंकी हमास के साथ दिख रहा है, तो कोई इजरायल के लिए लुट-मिट जाने को बेताब है? दोनों तरफ के 1,600 से अधिक लोग मारे गए हैं। औपचारिक युद्ध की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी तक किसी ने नहीं कहा कि युद्ध तत्काल रुकना चाहिए। यह इस दौर का दुखद पहलू है कि पुतिन का नया रूस भी यूक्रेन को निशाना बनाते हुए बच्चों को नहीं बख्शता है। जहां अपने और पड़ोसी के कल्याण की चिंता होनी चाहिए थी, वहां केवल बदले की भावना हावी है। बर्बरता बढ़ती जा रही है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उग्रवादी समूह को मलबे में फेंक देने की कसम खाई है। निर्ममता की पराकाष्ठा कर रहे आतंकियों की जगह मलबे में ही है, पर उन मासूम बच्चों, औरतों और आदमियों का क्या दोष, जो कहीं से भी आतंकी नहीं हैं, मगर निशाना बन रहे हैं? क्या मानव सभ्यता में आतंकवाद के खिलाफ कोई भी लड़ाई दोषी और निर्दोष के बीच भेद किए बिना सफल हो सकती है? हमास की जितनी निंदा की जाए कम है। जिस संगठन को बंदूक छोड़कर गाजा पट्टी के विकास में लगना चाहिए, वह संगठन धर्म-अधर्म के रास्ते ताकत सिर्फ इसलिए जुटाता है, ताकि इजरायल के शरीर पर पहले से कहीं गहरे छुरा धंसा सके? मोसाद बनाम हमास की लड़ाई मानो एक व्यवसाय बन गई है। दुनिया के चतुरतम देशों में शुमार इजरायल आखिर सबक क्यों नहीं लेता? स्वयं अपने देश में स्थायी शांति के प्रति गंभीर क्यों नहीं होता है? आज उसे स्थायी शांति के उपायों पर जोर देना चाहिए। आज दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो इजरायल को सही दिशा में प्रेरित करें, ताकि पश्चिम एशिया के खूनी दलदल को हमेशा के लिए पाटा जा सके।

हमास के इजरायल पर हमले के मायने

- ललित मोहन बंसल

हमास आतंकवादियों की प्रारंभिक सफलता पर पड़ोसी देश लेबनान में हेजबुल्ला की ओर से मिठाइयां बंटीं तो ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने सौलास आतिशबाजी की। अमेरिका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के कथन को सही माने तो हमास आतंकवादियों में इतना दम नहीं है, वह उसकी सैन्य मदद के बिना इजरायल के दरवाजे पर बंदूक रख सके। हां, कुवैत ने धर्म निभाया। उसने उलटे इजरायल की निंदा कर दी। मुमकिन है, मध्य पूर्व एशिया के कुछ और देश लामबंदी के लिए आगे आएं। यूं इजरायल के पड़ोसी देश जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डा है। बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात, दो निकटवर्ती देश अमेरिकी मित्र हैं।

इजरायल की सुरक्षा एजेंसियां गच्चा क्यों खा गयीं ? गाजा स्थित हमास आतंकवादियों ने अकस्मात इजरायल के दक्षिण में गाजा पट्टी के साथ लगी बस्तियों पर जमीनी हमले और तेल अवीव तथा यरुशलम की यहूदी बस्तियों पर एक साथ दो हजार राकेट दाग कर एक 'निर्णायक' युद्ध की दावत दे दी है। शनिवार तड़के जैसे ही इजरायली नींद से उठे, उन्हें अपने इर्द-गिर्द के शहरों और बस्तियों और खास कर देश के दक्षिणी हिस्से की क़रीब एक दर्जन उपनगरों से आ रही मातमी खबरों ने उद्वेलित कर दिया। इस हमले पर इजरायल के कुशल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने त्वरित कार्रवाई में हमास आतंकवादियों के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी। ये ही नेतान्याहू एक सप्ताह पूर्व अमेरिकी प्रस्ताव पर सऊदी अरब और इजरायल एक टेबल पर आने, मध्य पूर्व एशिया में शांति स्थापना के लिए गाजा में हमास आतंकवादियों को कुछेक रियायतें दिलवाने की कोशिश में जुटे थे। सऊदी अरब ने भी हाथ बढ़ा दिया था। फिर हमास आतंकवादियों ने हमला क्यों किया? क्या इस प्रस्ताव पर ईरान को गुरेज था? इजरायल की मिली-जुली सरकार में दो दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से खबरें आ रही हैं कि हमास 18 वर्ष पूर्व कूटनीतिक दबाव से बच गया, वह गाजा पट्टी पर बेताज बादशाह भी बन गया, लेकिन इस बार इजरायली सेना उसकी हसरत मिटा कर रख देगी? यह एक बड़ी और चुनौतीपूर्ण धमकी है। हमास आतंकवादियों की प्रारंभिक सफलता पर पड़ोसी देश लेबनान में हेजबुल्ला की ओर से मिठाइयां बंटीं तो ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने सौलास आतिशबाजी की। अमेरिका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के कथन को सही माने तो हमास आतंकवादियों में इतना दम नहीं है, वह उसकी सैन्य मदद के बिना इजरायल के दरवाजे पर बंदूक रख सके। हां, कुवैत ने धर्म निभाया। उसने उलटे इजरायल की निंदा कर दी। मुमकिन है, मध्य पूर्व एशिया के कुछ और देश लामबंदी के लिए आगे आएं। यूं इजरायल के पड़ोसी देश जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डा है। बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात, दो निकटवर्ती देश अमेरिकी मित्र हैं। सऊदी अरब ने भले ही ईरान के साथ कूटनीतिक संबंध बनाए हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि खाड़ी में वर्चस्व की लड़ाई में सऊदी प्रिंस एक बार अमेरिका का साथ भले ही नहीं दें, ईरान का साथ देने से बचेंगे। यह युद्ध क्या मोड़ लेगा, अभी कहना कठिन है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल के साथ मित्रता और निकटता पूर्ण संबंधों के आधार पर हमास आतंकवादियों के अकस्मात आक्रमण की निंदा की है। सीमापार आतंकवाद कश्मीर में हो अथवा इजरायल में, मानवीय मूल्यों पर उसका पक्षधर कोई नहीं हो सकता। बाइडन ने ईरान सहित अन्य देशों को सतर्क किया है कि वे हमास आतंकवादियों से दूर रहें। यो डेमोक्रेट और रिपब्लिकन, दोनों ही इजरायल के हितैषी हैं। 'अल अक्सा अभियान' - फिलिस्तीन आतंकवादियों की ओर से सीमापार आतंकी हमलों की घटनाएं कोई नई नहीं है। इस बार यहूदियों के एक पर्व के अंतिम दिन शनिवार को यरुशलम में सैकड़ों एकड़ भू-भाग में फैले यहूदी धार्मिक स्थली 'माउंट टेम्पल' में सैकड़ों लोग एकत्रित थे। यहीं पर 'अल अक्सा मस्जिद' भी है, जिसे मक्का और मदीना के बाद तीसरा बड़ा पवित्र स्थल माना जाता है। इसके बाहर जमा सैकड़ों यहूदी दर्शनार्थियों का जमावड़ा था। इस पवित्र स्थल पर आने-जाने में कोई रोकटोक नहीं थी। गाजा पट्टी से भी अक्सर लोग आते-जाते रहे हैं। हमास आतंकवादियों को भी मौका मिल गया। उन्होंने पहले ही झटके में चहुंओर से जमीनी और हवाई राकेट से हमले कर इजरायली इंटेलिजेंस को बैकफुट पर खड़ा कर दिया। बता दें, गाजा से आए दिन सैकड़ों लोग 'अल अक्सा मस्जिद' में आते-जाते रहे हैं। इसी 'अल अक्सा अभियान' के तहत हमास आतंकवादियों ने गाजा पट्टी के साथ साथ इजरायल के दक्षिण में यहूदी बस्तियों पर पैदल सेना और इजरायल के सुदूर अंदर में 2200 राकेट दागे । इनमें से कुछ की मार तेल अवीव और यरुशलम तक थी। कहते हैं कि पिछले पच्चास सालों की आपसी लड़ाई में यह पहला बड़ा हमला है। इस युद्ध को लेकर पश्चिमी और मध्य पूर्व एशियाई मीडिया से जो संकेत मिल रहे हैं, इस बार परिणाम भयावह हो सकते हैं। खबरें आ रही हैं कि शनिवार सुबह से देर सायं तक हमास के आतंकवादी इजरायल की बाईस बस्तियों में घुस गए और उन्होंने महिलाओं और बच्चों सहित तीन सौ लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इनमें करीब 1400 लोग घायल हो चुके हैं। इजरायल ने गाजा पट्टी में बहुमंजिली इमारतों पर हवाई हमले किए। इसमें 234 लोगों को जानें गंवानी पड़ी हैं, जबकि 1600 लोगों घायल हुए हैं। रविवार सुबह से हवाई हमलों की चेतावनियां दी जा रही हैं। इजरायल के समुद्री तट के एक शहर अशकेलों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। भारत सहित कुछ देशों ने बड़े स्तर पर हमलों की आशंका में तेलअवीव और यरुशलम की हवाई उड़ानें रद्द की हैं। इसके बावजूद इजरायली युवा अपने देश की रिजर्व सेना में पंजीकरण के लिए स्वदेश पहुंच रहे हैं। इजरायल की रिजर्व सेना क्या है?- इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने युद्ध की घोषणा के बाद इजरायल के युवा और साठ वर्ष से नीचे की आयु के लोगों ने 'रिजर्व सेना' के अंतर्गत पंजीकरण करना शुरू कर दिया है। इसमें पूर्वप्रधान मंत्री नेफताली ने भी पंजीकरण कर दिया है। न्यूयॉर्क में बसे ऐसे सैकड़ों यहूदी रिजर्व सेना में पंजीकरण के लिए महंगी हवाई टिकट ले कर घर लौट रहे हैं। इजरायल में सोलह वर्ष की उम्र होते ही एक किशोर युवा को मिलिट्री ट्रेनिंग लेना जरूरी है और देश पर आक्रमण की स्थिति में युद्ध के लिए पंजीकरण आवश्यक है। कूटनीतिक प्रयासों में तेजी- अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अनेक पश्चिमी देशों की ओर से किसी उकसावे की कार्रवाई के बिना हमास की ओर से हमले की निंदा की जा रही है। अमेरिकी विदेशमंत्री एंथनी ब्लिंकन ने शनिवार को सऊदी अरब के प्रिंस फैजल और मिस्र के विदेश मंत्री से अलग अलग फोन पर बातचीत की। ब्लिंकन ने कहा है कि हमास के हमलों के जवाब में इजरायली सेना को अपने बचाव में सैनिक कार्रवाई का पूरा हक है। इससे बेहतर होगा कि हमास आतंकवादियों को हिंसात्मक कार्रवाई करने से रोकने के लिए संयुक्त प्रयास किए जाएं। व्हाइट हाऊस के एक अधिकारी की ओर से कहा जा रहा है कि ईरान की ओर से हमास को सीधे सैनिक सहयोग के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। फ्रांस और जर्मनी ने इजरायल के समर्थन में कहा है कि उसे आत्मरक्षा करने का अधिकार है। इन दोनों देशों ने इस्लामिक जिहाद के आक्रमण के मद्देनजर इजरायल के मंदिरों की रक्षा में तैनाती मजबूत कर दी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव सक्रिय हो गए हैं, तो फिलिस्तीन के राष्ट्रपति भी मित्र देशों से बातचीत में रत हैं। इंटेलिजेंस में विफलता- इजरायल को पहली बार चूक का सामना करना पड़ रहा है। एक, इंटेलिजेंस में विफलता। दूसरे, इजरायल के सैनिक गाजा पट्टी पर तैनात होते हुए भी हमास आतंकवादियों के जमीनी हमलों में मार खा गए । न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार यह पांच दशक में योम किपूर युद्ध के बाद पहली बड़ी विफलता है। यह कहना गलत होगा कि इजरायली सुरक्षा एजेंसियों ने पहले कभी हमास आतंकवादियों और गाजा के बारे में पुख्ता सूचनाएं नहीं दी थीं। कहा जा रहा है कि कुछ अर्से से हमास ने योजनानुसार सीमापार हमले काम कर दिए। दूसरे, हमास के ही एक कनिष्ठ फिलिस्तीन इस्लामिक जिहाद की ओर से यह प्रचारित किया गया, इजरायल के सुरक्षा सम्मत 'आयरन डोम' पर राकेट का असर नहीं हो रहा है, इसलिए हमलों में कमी लाई जाए। इस पर इजरायली इंटेलिजेंस ने अमेरिकी एजेंसियों को भी ज्यादा भरोसे में नहीं लिया। वाल स्ट्रीट जर्नल की माने तो यह हमास की यह पूर्व योजना कारगर सिद्ध हुई। हमास की पूर्व योजना: हमास आतंकवादियों ने पूर्व योजनानुसार इजरायल के दक्षिण में यहूदी बस्तियों में दो तरफा हमले किए। एक ओर हमास के आतंकवादियों ने सीमापार यहूदी बस्तियों में घुस कर प्रहार किए। इसका जवाब लोगों को खुद ब खुद देना भारी पड़ा। दूसरे, रॉकेट से हमले किए गए । इजरायली नगर सडेरोट की बस्तियों में मोटर वाहनों और बस स्थलों पर रॉकेट बरसाए गए। इनमें अनेक नागरिक हताहत हुए। कफर अज्जा के किबबूतज के एक बस्ती में अनेक लोग रॉकेट हमले में मारे गए। इस तरह हमास आतंकवादियों ने इजरायली सैनिकों को मौत के घाट उतारने और घरों में घुस कर नागरिकों को बंधक बनाने में सफलता पाई।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां

- गिरीश्वर मिश्र

आयुर्वेद के अनुसार यदि आत्मा, मन और इंद्रियां प्रसन्न रहें तो आदमी को स्वस्थ कहते हैं । ऐसा स्वस्थ आदमी ही सक्रिय हो कर उत्पादक कार्यों को पूरा करते हुए न केवल अपने लक्ष्यों की पूर्ति कर पाता है बल्कि समाज और देश की उन्नति में योगदान भी कर पाता है । निश्चय ही यह एक आदर्श स्थिति होती है परंतु यह स्थिति किसी भी तरह निरपेक्ष नहीं कही जा सकती। जीवन का आरम्भ और जीने की पूरी प्रक्रिया परिस्थितियों के बीच उन्हीं के विभिन्न अवयवों से बनते-बिगड़ते एक गतिशील परिवेश के बीच आयोजित होती है । उदाहरण के लिए देखें तो पाएंगे सांस लेना भी परिवेश से मिलने वाले आक्सीजन पर निर्भर करता है जो नितांत स्वाभाविक और प्राकृतिक लगता है पर प्रदूषण होने पर या फेफड़े में संक्रमण हो तो मुश्किल हो जाती है । कोविड महामारी में यह सबने बखूबी देखा और पाया था । वस्तुतः हमारा परिवेश भौतिक, सामाजिक और मानसिक हर स्तर पर सक्रिय होता है और ये सभी एक दूसरे से सघनता से गुंथे होते हैं । इन परिवेशों को भी आदमी अपने हस्तक्षेप से रचता-गढ़ता रहता है। मनुष्य की अब तक की संस्कृति-यात्रा इसका ज्वलंत प्रमाण प्रस्तुत करती है। वस्त्र,आवास,आहार, अलंकरण और तमाम सामाजिक संस्थाएं इत्यादि-सभी कुछ मनुष्य रचता रहा है और अपनी इन रचनाओं के सम्पर्क में आकर खुद भी बदलता रहा है। इस तरह स्वयं और परिवेश पर दुतरफा प्रभाव डालने वाली अंत: प्रक्रिया विभिन्न स्तरों पर अनवरत चलती चली आ रही है । मनुष्य निजी और सामाजिक स्मृति धारण करता है जिससे सब कुछ संचित होता हुआ आगे के लिए भी उपलब्ध रहता है । इस सब के बीच हम अपने अल्पकालिक (जैसे -क्षणिक और दैनिक)और दीर्घकालिक लक्ष्य और उपक्रम चलाते रहते हैं । मनुष्य के रूप में हमारा शरीर नित्य क्षण-क्षण की योजना के साथ निरंतर कार्य करता है । हमारा पाचन तंत्र , श्वसन तंत्र , ज्ञान और कर्म की इंद्रियां , हृदय, मस्तिष्क आदि सभी निरंतर कार्यरत रहते हैं और हमें इसका पता भी चलता रहता है कि उनकी गतिविधि किस तरह की है। इनको लेकर हम खासतौर पर तब सचेत हो जाते हैं जब इनमें कोई विशेष उतार-चढ़ाव मालूम पड़ता होता है । जब इनके बीच संतुलन बना रहता है तो जीवन की गति और लय हमारे अनुकूल रहती है और हम अपने को स्वस्थ कहते हैं पर जब यही लय रुकने-टूटने लगती है तो हम अस्वस्थ महसूस करते हैं जीवन व्यापार में व्यवधान आने लगता है । थोड़ी गहराई और ब्योरे में जाएं तो पता चलेगा कि इन व्यवधानों के मूल में मुख्यतः भौतिक, शारीरिक और मानसिक परिस्थितियां होती हैं । हम अपने साथ इच्छाओं , आशाओं , प्रेरणाओं , रुचियों, मनोवृत्तियों, क्षमताओं का भंडार भी रखते हैं जो घटता बढ़ता रहता है । ये स्वतंत्र तो होते हैं परंतु इनका साबका भौतिक और शारीरिक दुनिया से भी रहता है । इसलिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच दीवार खींचना बेमानी है। बहुतेरे शारीरिक रोग मानसिक कारण से और मानसिक रोग शारीरिक कारण से पैदा होते हैं । इसलिए 'मानसिक' और 'शारीरिक' के बीच भेद करना एक स्तर के बाद व्यर्थ हो जाता है । सत्य यही है कि दोनों एकीकृत और संघटित हो कर संयुक्त रूप से कार्य करते हैं । मन शरीर को और शरीर मन को निरंतर प्रभावित करता रहता है। प्रसिद्ध कहावत 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' यही भाव व्यक्त करती है कि स्वस्थ और प्रसन्न मन हो तो सब कुछ अच्छा लगता है। दूसरी ओर शरीर को सभी कार्यों का साधन भी कहा गया है - 'शरीरमाद्यम् खलु धर्मसाधनम् । इसलिए शरीर और मन को परस्परनिर्भर मानना ही उचित है और दोनों की समुचित सेवा-सुश्रूषा होनी चाहिए । हमारी मनोवृत्तियां अपरिमित होती हैं और मन में संकल्प-विकल्प के ज़रिए कोई भी विचार प्रबल या दुर्बल हो सकता है । चूंकि इनके स्रोत बाह्य जगत या स्मृति कहीं भी हो सकते हैं इसलिए ये निर्बंध होते हैं। इन चित्तवृत्तियों को यदि बेलगाम छोड़ दें तो वे कुछ भी कर सकती हैं। स्मृति और कल्पना के योग से विचारों और भावनाओं का ताना-बाना बुना जाता रहता है जो आदमी को उलझाने के लिए काफ़ी होता है । व्यक्ति का उन्नयन और अधःपतन कुछ भी हो सकता है । इनको नियमित करना ही योग है और पूरा योग शास्त्र इसी के उपाय में संलग्न है । स्वास्थ्य के लिए युक्ताहार विहार बड़ा आवश्यक है। अतः नियमित व्यायाम , संतुलित आहार और पर्याप्त नींद को सामान्य जीवन का अंग बनाना जहां आवश्यक है वहीं स्वास्थ्य के लिए नुक़सानदेह व्यवहारों जैसे तम्बाकू सेवन और मद्यपान से बचना भी ज़रूरी है । रोगों के लिए अपने में प्रतिरोध की क्षमता बनाए रखने के लिए तैयारी होनी भी आवश्यक है । आज जिस तरह की परिस्थितियां बन रही हैं सजगता के साथ निगरानी, जांच पड़ताल और देखरेख भी आवश्यक है होती है कि कोई रोग तो विकसित नहीं हो रहा है। आज के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन का सत्य चिंताजनक दिशा का संकेत दे रहा है। यथार्थ को रचती आज की मीडिया चाहतों, जरूरतों और आवश्यकताओं के बीच अंतर को धूमिल करती जा रही है। उसके प्रभाव में आदमी यह विवेक खोता जा रहा है कि क्या करणीय है और क्या वरणीय है। आवश्यकताओं की सूची निरंतर बढ़ती जा रही है और बाजार इसी में अपनी सफलता मानती है । नई-नई प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप के चलते ये सवाल और जटिल होते जा रहे हैं । कुंठा, चिंता , अवसाद , तनाव और अकेलापन के साथ अनेक मानसिक रोग व्याप्त होते जा रहे हैं । आज व्यक्ति केंद्रित जीवन में जीवन के लक्ष्यों का प्रश्न नए ढंग से देखे जाने लगे हैं। इनके फलस्वरूप वास्तविकता के स्तर पर प्रतिस्पर्धा और हिंसा का दायरा बढ़ता जा रहा है । साथ में भौतिक जगत को ही सत्य की सीमा मान कर उपभोग पर अतिरिक्त बल देती आज की जीवन-शैली धरती की धारण क्षमताओं की सीमा को चुनौती दे रही है जिनको अनसुना करना जीवन और मानवतावादी के प्रति अपराध सा है । व्यक्ति और सामाजिक जीवन के स्तर पर स्वास्थ्य की रक्षा और उसके विपरीत रोग से बचाव तथा उसे दूर करना स्वाभाविक लक्ष्य के रूप में स्वीकार किया गया है। आज संतुलित दृष्टि के साथ जीवन के लिए सार्थक पहल की जरूरत है । इसके लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों को मिल कर पहल करनी होगी ताकि मानसिक स्वास्थ्य की सुविधाओं को जन- जन तक पहुंचाया जा सके ।

विचार मंथन

कम कमाई, खर्च ज्यादा,कर्ज से दुनिया में बढी मानसिक रोगियों की संख्या

(लेखक - सनत जैन)

दुनिया भर के देशों में मानसिक रोगियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। हाल ही में ब्रेडफोर्ट यूनिवर्सिटी के स्कूल आफ मैनेजमेंट मे आर्थिक विभाग के प्रोफेसर केरी पेप्स का कहना है,कोरोना महामारी के बाद दुनिया भर के देशों में आर्थिक दबाव बढ़ गया है। आए और खर्च के बीच में, महंगाई के कारण तालमेल नहीं बन पाने के कारण, मानसिक रूप से इसका असर पड़ रहा है। एक और आम आदमी की आय कम हो रही है। वही नागरिकों के खर्च,महंगाई के कारण बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। खर्च पूरा करने के लिए लोगों को कर्ज लेना पड़ रहा है। वर्तमान आय से पारिवारिक खर्च को चलाना बड़ा मुश्किल हो गया है। जिसके कारण ब्रिटेन जैसे देश में आर्थिक कारणों से लोग बड़ी संख्या में मानसिक रोगी बन रहे हैं। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड ने महंगाई कम करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि कर दी है। दुनिया के बहुत सारे देशों ने भी, महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कर्ज पर ब्याज की दर बढ़ा दी है। जिसके कारण कर्ज और महंगा हो गया है। शोध में ब्रिटेन और अमेरिका के आर्थिक हालात का सर्वेक्षण किया गया है। अमेरिका में भी लगभग लगभग आर्थिक स्थिति इसी तरीके की है। अमेरिका का न्यूनतम वेतन ब्रिटेन से कम होने के कारण अमेरिका में,और भी खराब हालात हैं। ब्रिटेन में 25 से 34 साल के युवा सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। 25 से 34 साल के 52 फ़ीसदी युवा मानसिक रूप से परेशान होकर शारीरिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति ब्रिटेन और अमेरिका अकेले की नहीं है। सारी दुनिया के देश आर्थिक कारणों से जो समस्या उत्पन्न हो रही है। उससे मानसिक रोग कई समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों के अनुसार वित्तीय स्थिति के कारण तनाव,चिंता और बेचैनी घर- घर में देखने को मिल रही है। आय की तुलना में कर्ज ओर ब्याज का बोझ, अति आवश्यक खर्च अधिक होने से, निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवार के साथ-साथ अब उच्च मध्यम वर्ग के परिवार भी मनोरोग के शिकार हो रहे हैं। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र में भी स्थिति इससे भी खराब देखने को मिल रही है। भारत में बेरोजगारी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। भारत में नागरिकों के ऊपर टैक्स भी बढ़ाये जा रहे हैं। मनोचिकित्सकों के पास भारत में भी बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। उन सबके पीछे अधिकांशतः आर्थिक मामलों के कारण मनो रोगियों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। सबसे बड़ा दुष्प्रभाव युवाओं के ऊपर पड़ रहा है। भारत में स्नातक और परास्नातक बेरोजगारों की संख्या बड़े पैमाने पर बढ़ी है। कर्ज लेकर उच्च शिक्षा की पढ़ाई में लाखों रुपए का कर्ज उनके ऊपर हो गया। डिग्री हासिल करने के बाद भी उन्हें कहीं काम नहीं मिल रहा है। जिन्हें नौकरी मिली भी है, उसका वेतन इतना काम है,कि उससे उनका गुजारा हो पाना संभव नहीं हो पा रहा है। संविदा और कांटेक्ट पर नियुक्ति होने से स्नातक और परास्नातक को अधिकतम 12000 से लेकर 20000 रुपये तक की नौकरी भारत में मिल पा रही है। बेरोजगारी और कब आय के कारण युवाओं की शादी भी 28 से 35 साल की उम्र में पहुंचने के बाद भी नहीं हो पा रही है। आय का अन्य कोई साधन नहीं होने से सामाजिक व्यवस्था में भी बड़ा तनाव परिवार और लोगों के बीच में देखने को मिल रहा है। जिसके कारण मनोरोगियों की संख्या भारत में भी बड़ी तेजी के साथ बढ रही है। मनोरोग विशेषज्ञों का कहना है, कि वित्तीय चिंता के कारण तनाव और बेचैनी के कारण वेतन भोगियों से लेकर, उनके परिवार के अन्य सदस्य भी मनोरोग के शिकार हो रहे हैं। भारत में आत्महत्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही हैं। कोचिंग, पढ़ाई और आर्थिक कारणों से युवा बड़ी संख्या में आत्महत्या करने लगे हैं। पिछले एक दशक में युवाओं मे आत्महत्या करने की प्रवत्ती और उनकी संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। निम्न मध्यम वर्ग परिवार में कर्ज का बोझ इतना ज्यादा हो गया है, कि अब परिवार के सभी सदस्यों की हत्या करके आत्महत्या करने वालों की संख्या बड़ी तेजी के साथ भारत में बढ़ रही है। यह भारत में चिंता का सबसे बड़ा कारण है। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया, कर्ज लेकर अपनी जरूरत को पूरा करने की प्रवृत्ति पिछले दो दशक में बड़ी तेजी के साथ भारतीय समाज में भी बढ़ी है। वर्तमान स्थिति में परिवार के अधिकांश सदस्यों पर कर्ज इतना ज्यादा हो गया है,कि उसकी किस्तें चुकाना भी संभव नहीं रहा।

आवश्यक खर्चों के लिए भी पर्याप्त आय नहीं होने के परिणाम स्वरूप मनोरोगियों की संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है। पिछले एक दशक मेंआर्थिक कारणों से अपराध भी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं, यह चिंता का विषय है। इस दिशा में सरकार के साथ-साथ,विशेष रूप से सामाजिक संगठनों को ध्यान देने की जरूरत है। समय रहते आर्थिक कारणों से मनोरोगियों की, जो संख्या बढ़ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांड के जरिए 10,000 करोड़ रुपये जुटाएगा बैंक ऑफ बड़ौदा

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बुधवार को बुनियादी ढांचे और किफायती आवास के वित्तपोषण के लिए दीर्घकालिक बांड के जरिए 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को एक फाइलिंग में कहा, ÷निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में बुनियादी ढांचे और किफायती आवास के वित्तपोषण के लिए 2023-24 और उससे आगे कुल मिलाकर 10,000 करोड़ रुपये तक के दीर्घकालिक बांड जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आरबीआई ने मंगलवार को बैंक ऑफ बड़ौदा को बॉब वर्ल्ड मोबाइल एप्लिकेशन पर अपने ग्राहकों को शामिल करने से रोक दिया था। ग्राहकों को शामिल करने के तरीके में कुछ गड़बड़ी की आशंका थी। केंद्रीय बैंक ने कहा था कि बॉब वर्ल्ड एप्लिकेशन पर बैंक के ग्राहकों की आगे की भागीदारी आरबीआई की संतुष्टि के अनुसार देखी गई कमियों के सुधार और बैंक द्वारा संबंधित प्रक्रियाओं को मजबूत करने के अधीन होगी। इससे बैंक के शेयर वैल्यू में 3 प्रतिशत की गिरावट आ गई। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि उसने पहले ही आरबीआई की चिंताओं को दूर करने के लिए कदम उठा लिए हैं। उसने कहा, हमने पहचाने गए किसी भी गैप को दूर करने के लिए और कदम उठाए हैं और हम उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए आरबीआई के साथ मिलकर काम करेंगे। इसने यह भी कहा कि उसे उम्मीद नहीं थी कि आरबीआई की कार्रवाई का उसके समग्र व्यापार और विकास योजनाओं पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

जीपीआईसीपीएल को अपने बैंक खातों में 1,487 करोड़ रुपये मिले, वीवो इंडिया के खातों में 1,200 करोड़ रुपये भेजे गए : ईडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दलील दी कि फर्जी दस्तावेजों पर चीनी नागरिकों द्वारा ग्रैंड प्रॉस्पेक्ट इंटरनेशनल कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड (जीपीआईसीपीएल) की स्थापना के बाद से उसे अपने बैंक खातों में 1,487 करोड़ रुपये मिले हैं। इसमें चीनी मोबाइल फोन निर्माता वीवो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खातों में 1,200 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। ये खुलासे ईडी ने अदालत में किए, जिसने पहले दिन में चीनी मोबाइल फोन निर्माता वीवो के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान चीनी नागरिक गुआंगवेन क्यांग उर्फ एंड्रयू कुआंग, राजन मलिक और चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन गर्ग के साथ-साथ लावा के इंटरनेशनल एमडी हरिओम राय के रूप में हुई। कोर्ट ने सभी को तीन दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। ईडी ने अदालत को सूचित किया कि जीपीआईसीपीएल के कुछ चीनी शेयरधारकों ने जाली पहचान दस्तावेजों और गलत पते के आधार पर कंपनी को शामिल किया। ईडी ने कहा, जांच के दौरान कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय को कुछ फर्जी गतिविधियां मिलीं। वह कंपनी आधिकारिक रिकॉर्ड में वीवो की सहायक कंपनी के रूप में रिपोर्ट नहीं कर रही थी, जबकि वह सार्वजनिक रूप से खुद को वीवो की सहायक कंपनी बताती है। यह भी आरोप लगाया गया कि निदेशक और शेयर धारक झांग जी ने अपना शिलांग पता देने के लिए निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन) लगाने के लिए गलत ड्राइविंग लाइसेंस का इस्तेमाल किया और बैंक खाता खोलने में भी अपने फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस का इस्तेमाल किया। झांग के अलावा, झेंगशेन ओउ और बिन लू भी वीवो के पूर्व निदेशक थे और जीपीआईसीपीएल व भारत में कई अन्य कंपनियों के संस्थापक और हितधारक थे। ईडी ने कहा, चीनियों ने वीवो समूह की कंपनियों की बिक्री और बिक्री के बाद की सेवाओं की आड़ में देश में एक विस्तृत नेटवर्क स्थापित किया। इस बीच, ईडी की कार्रवाई पर टिप्पणी करते हुए वीवो के एक प्रवक्ता ने आईएएनएस से कहा, वीवो दृढ़ता से अपने नैतिक सिद्धांतों का पालन करता है और कानूनी अनुपालन के लिए समर्पित है। हालिया गिरफ्तारी से हमें गहरी चिंता है। हम सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे। ईडी की जांच से पता चला था कि जीपीआईसीपीएल के वही निदेशक, बिन लू, वीवो के पूर्व निदेशक भी थे। वर्ष 2014-15 में वीवो के निगमन के तुरंत बाद, उन्होंने देश भर में विभिन्न राज्यों में फैली कई कंपनियों, कुल 18 कंपनियों को शामिल किया था और इसके अलावा एक अन्य चीनी नागरिक ज़िक्सिन वेई ने 4 कंपनियों को शामिल किया था।

जीडीपी पर आईएमएफ के अनुमान से बाजार में सेंटीमेंट्स पॉजिटिव

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा भारत की वित्त वर्ष 2024 की जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 6.1 फीसदी से बढ़ाकर 6.3 फीसदी करने और कई कॉरपोरेट्स से मजबूत तिमाही बिजनेस अपडेट आने के बाद बाजार का रुख बदला और सेंटीमेंट्स पॉजिटिव हुए। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में रिटेल रिसर्च प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने ये बात कही है। बुधवार को निफ्टी 0.62 फीसदी या 121.5 अंक ऊपर उठ कर 19,811.35 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 394 अंक या 0.60 फीसदी ऊपर 66,473.05 पर बंद हुआ। ऑटो, एफएमसीजी और रियल्टी मुनाफा कमाने वालों में प्रमुख थे, जबकि पीएसयू बैंक और आईटी लाल निशान में बंद हुए। खेमका ने कहा, आगे हमें उम्मीद है कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों, अमेरिकी बांड यील्ड में कमी और मजबूत घरेलू आर्थिक स्थिति के कारण बाजार की गति जारी रहेगी। इसके अलावा, दूसरी तिमाही के परिणामों की शुरुआत के साथ, हम बहुत सारे स्टॉक में तेजी की उम्मीद करते हैं। आईटी सेक्टर फोकस में रहेगा। टीसीएस वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करेगा, उसके बाद गुरुवार को इंफोसिस और एचसीएल टेक की घोषणा होगी। निवेशक बुधवार देर रात जारी होने वाले एफओएमसी मीटिंग मिनट्स और यूएस कोर पीपीआई डेटा से संकेत लेंगे। खेमका ने कहा कि बाजार गुरुवार को जारी होने वाले यूके जीडीपी डेटा, भारत सीपीआई और विनिर्माण आउटपुट डेटा और यूएस सीपीआई डेटा पर भी नजर रखेंगे। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार का दायरा मजबूत है। निवेशकों का मानना है कि मध्य पूर्व की झड़प लोकल फैक्टर बनी रहेगी और इसका

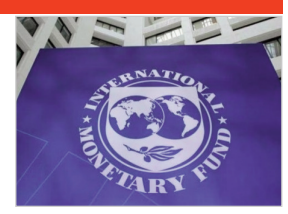

असर कच्चे तेल की कीमत पर नहीं पड़ेगा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के स्टेटमेंट के बाद यूएस 10-वर्षीय बांड यील्ड कम हो गई। उन्होंने कहा, देखें तो खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति में कमी के कारण सितंबर सीपीआई में गिरावट की उम्मीद है। दूसरी तिमाही की आय का मौसम आईटी क्षेत्र के परिणाम के साथ शुरू होगा। कॉरपोरेट्स अच्छे परिणाम दे सकते हैं।

टीसीएस ने 4,150 रुपये प्रति शेयर पर शेयर बायबैक करके ज्यादा शुद्ध लाभ कमाया

चेन्नई। सॉफ्टवेयर प्रमुख टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएस) ने बुधवार को कहा कि उसने वित्तवर्ष 24 की दूसरी तिमाही उच्च राजस्व और शुद्ध लाभ के साथ समाप्त की और 9 रुपये प्रति शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की। कंपनी के निदेशक मंडल ने बुधवार को हुई अपनी बैठक में 4,09,63,855 (चार करोड़ नौ लाख तिरसठ हजार आठ सौ पचपन) इक्विटी शेयरों की कुल राशि 17,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होने पर प्रति शेयर 4,150 रुपये बायबैक करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। प्रस्तावित बायबैक टीसीएस की कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 1.12 प्रतिशत दर्शाता है। एक नियामक फाइलिंग में टीसीएस ने कहा कि उसने 30 सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही 59,692 करोड़ रुपये (वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में 55,309 करोड़ रुपये) के राजस्व और 11,342 करोड़ रुपये (10,431 करोड़ रुपये) के शुद्ध लाभ के साथ बंद की थी। निदेशक मंडल ने 1 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 9 रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश के भुगतान को भी मंजूरी दे दी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक के. कृतिवासन के अनुसार, मजबूत सौदे की गति ने कंपनी को दूसरी तिमाही में बहुत बड़ी ऑर्डर बुक और अच्छी पाइपलाइन प्रदान की।

सितंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली। सितंबर में इक्विटी बाजारों ने 20,200 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर के बाद जोखिम-मुक्त सेंटीमेंट की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव का अनुभव किया। मोतीलाल ओसवाल एएमसी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी अखिल चतुर्वेदी का कहना है कि इस बदलाव के बावजूद,

इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने मजबूती से प्रदर्शन करना जारी रखा और 14,091 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण शुद्ध प्रवाह दर्ज किया, जो अगस्त के 20,245 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि कुल शुद्ध प्रवाह में विभिन्न श्रेणियों में गिरावट देखी गई। यह उल्लेखनीय है कि विषयगत/क्षेत्रीय फंडों ने चालू माह में अपना सकारात्मक रुझान बढ़ाया, जिससे उच्चतम शुद्ध प्रवाह आकर्षित हुआ। इसके बाद स्मॉलकैप फंड और मल्टीकैप फंड थे। हालांकि, स्मॉल-कैप प्रवाह में महीने-दर-महीने गिरावट देखी गई, जिसका क्रेटिट कुछ फंड हाउसों द्वारा अस्थायी रूप से प्रवाह को रोकने के कारण दिया जा सकता है। हाइब्रिड फंडों ने महीने-दर-महीने आधार पर शुद्ध प्रवाह में वृद्धि का अनुभव किया। उन्होंने कहा, यह प्रवृत्ति बाजार में प्रचलित जोखिम-मुक्त भावना को दर्शाती है। स्मॉलकेस मैनेजर और फिडेलफोलियो इन्वेस्टमेंट्स के संस्थापक किसलय उपाध्याय ने कहा कि अमेरिकी बांड यील्ड में वृद्धि और वैश्विक चुनौतियों के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने निराशावादी रुख अपनाया। इसके बावजूद, इक्विटी एक चुंबक बनी हुई है, जो भारतीय निवेशकों के जोखिम में निरंतर बदलाव का संकेत है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 393 , निफ़्टी 121 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली से आई हैं। इससे पहले गत दिवस भी बाजार में तेजी बनी थी। वहीं कच्चे तेल की कीमतों में आई स्थिरता और अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने को लेकर व्याप्त संशय समाप्त होने से भी बाजार को बल मिला है। इसके अलावा निजी क्षेत्र की दिग्ज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर में खरीदारी से भी बाजार में मजबूती आई।

वहीं चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा से पहले एफएमसीजी, उर्जा, धातु, दवा और निजी बैंक के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार उठा है। हालांकि ज्यादातर आईटी कंपनियों के शेयरों में गिरावट से इसपर अंकुश भी लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 393.69 अंक करीब 0.60 फीसदी बढ़कर 66,473.05 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,592.16 अंक तक पहुंच गया था। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 121.50 अंक या 0.62 फीसदी बढ़कर 19,811.35 अंक पर बंद हुआ।

आज करोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में से विप्रो का शेयर सबसे ज्यादा 3.29 फीसदी बढ़ा। वहीं अल्ट्रा सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनीलीवर, नेस्ले इंडिया सहित 24 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। दूसरी ओर एचसीएल के शेयरों 1.24 फीसदी की गिरावट रही। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक सहित इनफ़ोसिस के शेयरों में

भी गिरावट आई। वहीं इसी बीच, बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.9 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 321.61 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस प्रकार निवेशकों को भारी भरकम मुनाफा हुआ है।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार में तेजी बनी रही। सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 343.12 अंक करीब 0.52 फीसदी बढ़कर 66,422.48 पर कामकाज कर रहा था जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 100.15 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी ऊपर आकर 19790 के स्तर पर कामकाज कर रहा था। आज सुबह प्री-ओपनिंग में बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 257.12 अंक करीब 0.39 फीसदी ऊपर आकर 66,325.42 के स्तर पर वहीं निफ्टी 95.85 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी ऊपर आकर 19785.70 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ ही बंद हुआ था। इसके अलाव मिडकैप सूचकांक और स्मॉलकैप सूचकांक में भी एक फीसदी से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई थी। वहीं आज सुबह गिफ्ट निफ्टी बढ़त के साथ ही 19,785 पर खुला था।

इंश्योरेंसदेखो ने जुटाए 60 मिलियन डॉलर, इस साल फंडिंग 200 मिलियन डॉलर से अधिक

नई दिल्ली।

गुरुग्राम स्थित इंश्योरटेक प्लेटफॉर्म इंश्योरेंसदेखो ने बुधवार को कहा कि उसने अपने चल रहे सीरीज बी फंडिंग राउंड में 60 मिलियन डॉलर जुटाए हैं, जिससे इस साल उसका कुल फंड 200 मिलियन डॉलर से अधिक हो गया है।मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप (एमयूएफजी), बीएनपी पारिबा कार्डिफ, यूराजियो और बीम्स फिनटेक फंड द्वारा प्रबंधित अपने इंश्योरटेक फंड के माध्यम से कैप टेबल में शामिल हो गया, जबकि मौजूदा निवेशक टीवीएस कैपिटल, गोल्डमैन सैक एसेट मैनेजमेंट और अवतार वेंचर्स ने भी इक्विटी और कर्ज के मिश्रण वाले नए दौर में भाग लिया। इंश्योरेंसदेखो के सीईओ और संस्थापक अंकित अग्रवाल ने कहा, यह फंडिंग हमें अपने प्रयासों में तेजी लाने, अधिक कस्टमर्स तक पहुंचने और इंश्योरटेक सेक्टर में और कुछ नया करने की अनुमति देगी। भारत में इंश्योरेंस सेक्टर तकनीक समर्थित क्रांति के शिखर पर है। की योजना इस फंडिंग राउंड से प्राप्त आय का उपयोग अपनी मार्केटिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने, भारतीय भीतरी इलाकों में अपनी वितरण उपस्थिति का विस्तार करने, अपने तकनीकी प्लेटफॉर्म को बढ़ाने और अकार्बनिक विकास के अवसरों का पता लगाने के लिए करने की है। 2017 में अग्रवाल और ईश बब्बर द्वारा स्थापित, इंश्योरेंसदेखो ने एक महत्वपूर्ण विकास हासिल किया है। कंपनी ने कहा कि वह इस वित्तीय वर्ष में 3,600 करोड़ रुपये का प्रीमियम हासिल करने की राह पर है और मार्च 2024 तक अपने प्लेटफॉर्म पर 2,00,000 एजेंट पार्टनर जोड़ने का लक्ष्य रख रही है। भारत के एमयूएफजी बैंक के डिप्टी सीईओ शशांक जोशी ने कहा, %%इंश्योरटेक क्षेत्र में हमारा प्रवेश भारत में बीमा पहुंच बढ़ाने की रणनीतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इंश्योरेंसदेखो का तकनीक-संचालित अंतिम-मील वितरण मॉडल भारत में बीमा आउटरीच को आगे बढ़ाने के हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। इंश्योरेंसदेखो को ऑटो-टेक और आईपीओ-बाउंड यूनिकॉर्न कारदेखो ग्रुप के भीतर स्थापित किया गया था। इंश्योरेंसदेखो ने अब तक 6 मिलियन से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान की है।

विप्रो के शेयर में तेजी से सेंसेक्स में उछाल

नई दिल्ली।

बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 402 अंक ऊपर उठ कर 66,481 पर पहुंच गया। इसमें सबसे बड़ा योगदान विप्रो का था जिसके शेयरों में 3.5 प्रतिशत की तेजी देखी गई। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने कहा कि निफ्टी अब तक के उच्चतम स्तर से केवल 2.5 प्रतिशत दूर है, जो बाजार की ताकत और मजबूती को दर्शाता है। भले ही एफआईआई बाजार में बिकवाली कर रहा है, लेकिन डीआईआई, एचएनआई और रिटेल की खरीददारी इसे संतुलित कर रही है और बाजार को समर्थन दे रही है। उन्होंने कहा, सुरक्षा लार्ज-कैप में है। शेयर बाज़ार में चिंताओं की दीवारों को फांदने की अद्भुत क्षमता होती है। यदि बाज़ार का स्वर तेज़ है, तो बाज़ार चिंताजनक दीवारों पर चढ़ जाएगा। उन्होंने कहा, इस बात की सराहना करना महत्वपूर्ण है कि पश्चिम एशियाई संकट के बीच भी वैश्विक स्तर पर बाजार मजबूत है। बाजार को बुनियादी समर्थन अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती, घटती अमेरिकी बांड यील्ड और इस उम्मीद से मिलता है कि इजरायल-हमास संघर्ष एक लोकल फैक्टर बना रहेगा जिसका कच्चे तेल की कीमतों पर कुछ खास असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि स्थिति के और खराब होने से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रभुदास लीलाधर के तकनीकी अनुसंधान की वाइस प्रेसिडेंट वैशाली पारेख ने कहा कि निफ्टी पिछले सत्र की तबाही से उबर गया है और 19,700 के करीब एक मजबूत पुलबैक समापन का संकेत देता है।

अत्याधुनिक क्वांटम-प्रौद्योगिकी समर्थित हरित हाइड्रोजन उत्पादन

नई दिल्ली।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने एक नई उच्चप्रवाह क्षमता क्वांटम समर्थित हरित हाइड्रोजन उत्पादन प्रौद्योगिकी विकसित की है। यह हरित हाइड्रोजन उत्पादन को बड़ी मात्रा में बढ़ावा दे सकती है। उत्पादन की गई हाइड्रोजन गैस की उच्च शुद्धता के कारण, ईंधन का उपयोग बिना अतिरिक्त शुद्धिकरण के किया जा सकता है। इससे प्रौद्योगिकी की लागत किफायती हो जाती है।यह परिवर्तनकारी नवाचार ऊर्जा उत्पादन से लेकर परिवहन और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अनुप्रयोग संभावनाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने अगली पीढ़ी के क्वांटम-संचालित फोटो-उत्प्रेरक को उच्च प्रोटॉन उपलब्धता और गतिशीलता वाले चार्ज ट्रांसफर सिस्टम के साथ प्रस्तुत किया और ऊर्जा उत्पादन के लिए क्वांटम उत्प्रेरक अनुप्रयोग भी प्रदान किए। विश्वविद्यालय की ग्रीन केपलरेट टीम द्वारा यह प्रौद्योगिकी विकसित की गई है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय का कहना है कि डॉ. सोमनाथ गराई और प्रोफेसर एस. श्रीकृष्णा की टीम द्वारा विकसित इस प्रौद्योगिकी ने पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा विकल्पों के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग का प्रदर्शन किया। ग्रीन केपलरेट टीम ने भंडारण मुक्त प्रत्यक्ष हाइड्रोजन अंतर-दहन इंजन प्रौद्योगिकियों की परिकल्पना की है। इस टीम ने

डीएसटी द्वारा वित्त पोषित इस चालू परियोजना के एक हिस्से के रूप में इंजन क्षमताओं और कार्यात्मकताओं की विभिन्न रेंज के ऑटोमोबाइल में भी इसका प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय का कहना है कि इस प्रौद्योगिकी का पेटेंट, हाइड्रोजन और फ्यूल सेल प्रोग्राम, स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान पहल के तहत 'बुस्टिंग द एच2 इकोनॉमी बाई हार्नेसिंग मैरिट ऑफ क्वांटम एनकैप्सुलेशन कैमिस्ट्री, आगमेंटिड काइनेटिक्स फॉर वॉटर स्पिलेटिंग रिएक्शन अंडर कन्फाइनमेंट' नामक परियोजना के तहत लंबित है। अत्याधुनिक फोटोकैमिकल-रिएक्टर डिज़ाइन में सौर ऊर्जा को अधिकतम करने के लिए अंतर्निहित इलुमिनेशन असेंबली और बाहरी अवतल परावर्तक पैनल की सुविधा मौजूद है। इस टीम ने एक सतत इलेक्ट्रॉन युक्त प्रोटॉन आपूर्ति प्रणाली का निर्माण किया है, जो औद्योगिक धातु-अपशिष्ट का उपयोग करके एक इलेक्ट्रॉन इंजेक्टर तंत्र से प्रेरित है, जिसके द्वारा कठिन अनुकूलन के बाद, प्रयोगशाला पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की अधिकतम दर लगभग एक लीटर मिनट प्रति 10 ग्राम तक अर्जित की गई है।

प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों ने की इजरायल पर हमास के हमले की निंदा, कर्मचारियों की सुरक्षा का किया वादा

नई दिल्ली।

गूगल, माइक्रोसॉफ्ट अमेजन और अन्य टेक जायंट ने इजरायल पर हमास हमले की निंदा की है और देश में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा का वादा किया है। इन कंपनियों के ऑफिस इजरायल में भी हैं। अल्फाबेट और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने एक्स पर लिखा, ÷इस हफ्ते के अंत में इजरायल में हुए आतंकवादी हमलों और बढ़ते संघर्ष से बहुत दुखी हूं। इजरायल में गूगल के 2 कार्यालय और 2,000 से अधिक कर्मचारी हैं। यह अकल्पनीय है कि वे क्या अनुभव कर रहे हैं। शनिवार से हमारा तत्काल ध्यान कर्मचारी सुरक्षा पर है। हमने अब अपने सभी स्थानीय कर्मचारियों से संपर्क किया है और उनका समर्थन करना जारी रखेंगे। 7 अक्टूबर को हमास के आतंकवादी इजरायल में घुस गए, गाजा सीमा के करीब सड़कों और घरों में सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी। दशकों में पहली बार इजरायली समुदायों पर गोलीबारी की। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने कहा, इजरायल पर भीषण आतंकवादी हमलों और बढ़ते संघर्ष से दिल टूट गया है। मेरी गहरी संवेदनाएं मारे गए और प्रभावित हुए सभी लोगों के साथ हैं। हमारा ध्यान अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर है। माइक्रोसॉफ्ट इजरायल में लगभग 3,000 कर्मचारियों को रोजगार देता है। अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने इजरायल में नागरिकों के खिलाफ हमलों को चौंकाने वाला और देखने में दर्दनाक बताया। जेसी ने एक्स पर लिखा, इजरायल में नागरिकों के खिलाफ हमले देखना चौंकाने वाला और दर्दनाक है। मैं सुनिश्चित करने के लिए वहां अपने साथियों के साथ संपर्क में हूं कि हम उनके परिवार और उनकी सुरक्षा में मदद करने के लिए और इस कठिन समय में हरसंभव सहायता करने के लिए हरसंभव प्रयास करें। 2014 में अमेजन ने तेल अवीव में अपना पहला कार्यालय स्थापित किया, और तब से, इसने अपने इजरायली ग्राहक आधार में वृद्धि और निवेश किया है। सिस्को के चेयरमैन और सीईओ चक रॉबिंस पिछले तीन दिनों से सिस्को इजरायल टीमों के संपर्क में हैं, ताकि यह समझ सकें कि युद्ध, तबाही और जानमाल के नुकसान की स्थिति में उन्हें सबसे ज्यादा क्या चाहिए।

चालू वित्तवर्ष में 9 अक्टूबर तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 22% बढ़कर 9.57 लाख करोड़ रुपये हो गया : केंद्र

नई दिल्ली।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्तवर्ष में 9 अक्टूबर तक भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह साल-दर-साल 21.82 प्रतिशत बढ़कर 9.57 लाख करोड़ रुपये हो गया। प्रत्यक्ष कर संग्रह - रिफंड का शुद्ध - 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल बजट अनुमान का 52.50 प्रतिशत था। प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़ों से संकेत मिलता है कि सकल संग्रह 11.07 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान सकल संग्रह से 17.95 प्रतिशत अधिक था। आंकड़ों के अनुसार, सकल राजस्व संग्रह के मामले में कॉर्पोरेट आयकर (सीआईटी) की वृद्धि दर 7.30 प्रतिशत और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) की वृद्धि दर 29.53 प्रतिशत रही।

वित्त मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, जहां तक सकल राजस्व संग्रह के संदर्भ में कॉर्पोरेट आयकर (सीआईटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) की वृद्धि दर का सवाल है, सीआईटी के लिए विकास दर 7.3 प्रतिशत है जबकि पीआईटी के लिए 29.53 प्रतिशत (केवल पीआईटी)/ 29.08 प्रतिशत (एसटीटी सहित) है। रिफंड के समायोजन के बाद सीआईटी संग्रह में शुद्ध वृद्धि 12.39 प्रतिशत है और पीआईटी संग्रह में 32.51 प्रतिशत (केवल पीआईटी)/ 31.85 प्रतिशत (एसटीटी सहित पीआईटी) है।

जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन ने की लगभग 40 कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को-

जेफ बेजोस द्वारा संचालित एयरोस्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन ने अपने एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी विभाग में लगभग

40 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। सूत्रों के हवाले से द इंफॉर्मेशन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि तीन दर्जन से ज्यादा कर्मचारियों को कंपनी से जाने के लिए कहा गया है। छंटनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोग्राम मैनेजर शामिल हैं। यह छंटनी ऐसे समय में हो रही है, जब बॉब स्मिथ की जगह अमेजन डिवाइस एंड सर्विस चीफ डेव लिम्प सीईओ के रूप में ब्लू ओरिजिन में शामिल हो रहे हैं। लिम्प 4 दिसंबर से ब्लू ओरिजिन में सीईओ के रूप में पद ग्रहण करेंगे। वहीं स्मिथ स्मूथ ट्रांजिशन सुनिश्चित करने के लिए 2 जनवरी को पद छोड़ देंगे। लिम्प कंपनी के कई स्पेस प्रोजेक्ट्स के एक महत्वपूर्ण फेज में ब्लू ओरिजिन में शामिल हुए। ब्लू ओरिजिन ने इस साल की शुरुआत में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए चंद्र लैंडर बनाने के लिए 3.4 बिलियन डॉलर का नासा कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया था। इस बीच, यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एक साल से अधिक समय पहले ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड सबऑर्बिटल व्हीकल में आई विफलता की अपनी जांच बंद कर दी है। विफलता सितंबर 2022 में आई जब पश्चिमी टेक्सास में ब्लू ओरिजिन के प्रक्षेपण स्थल से एक मानवरहित अनुसंधान मिशन रवाना हुआ और प्रक्षेपण के कुछ सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एफएए के बयान में कहा, ब्लू ओरिजिन को सार्वजनिक सुरक्षा को प्रभावित करने वाली सभी सुधारात्मक कार्रवाइयों को लागू करना होगा और एफएए से एक लाइसेंस संशोधन प्राप्त करना होगा जो अगले न्यू शेपर्ड लॉन्च से पहले सभी सुरक्षा और अन्य लागू नियामक आवश्यकताओं को संबोधित करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

भारत-पाक मुकाबले के लिए पीसीबी प्रमुख जका अशरफ जल्द आएंगे इंडिया

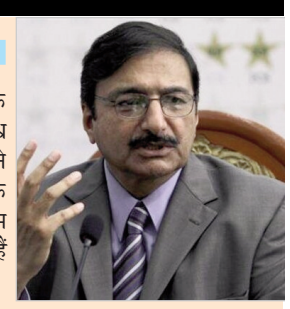

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत के खिलाफ होने वाले टीम के मैच को देखने के लिए गुरुवार को भारत आएंगे। जका अशरफने यह फैसला पाकिस्तानी मीडिया कर्मियों को आईसीसी विश्व कप-2023 को कवर करने के लिए भारतीय वीजा के लिए अपने पासपोर्ट जमा करने की अनुमति मिलने के बाद लिया है। पीसीबी प्रमुख ने कहा, मैंने भारत की अपनी यात्रा में देरी कर दी और मैं इस बात की पुष्टि मिलने के बाद यात्रा कर रहा हूं कि पाकिस्तान के पत्रकारों को मेगा इवेंट को कवर करने के लिए वीजा प्राप्त करने के लिए अपने पासपोर्ट जमा करने के लिए कहा गया है। मुझे खुशी है कि विदेश कार्यालय के साथ मेरी बातचीत से अच्छा परिणाम हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने टीम के परफॉर्मेंस पर कहा, विश्व कप में अब तक खिलाड़ियों ने जिस तरह से प्रदर्शन किया है और दोनों मैच जीते हैं उससे मैं बेहद खुश हूं। पीसीबी प्रबंधन समिति और पूरा देश मौजूदा विश्व कप में सफल अभियान के लिए खिलाड़ियों के साथ मजबूती से खड़ा है।

रोहित शर्मा ने लगाया Cricket World Cup में भारत के लिए सबसे तेज शतक, इन 5 रिकॉर्ड में मारी बाजी

(एजेंसी)

क्रिकेट विश्व कप 2023 के अहम मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बल्ले से तेजतर्रार शतक देखने को मिला। अफगानिस्तान ने दिल्ली के पिच पर पहले खेलते हुए 272 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी टीम इंडिया को रोहित ने धमाकेदार शुरूआत दी थी। रोहित ने अफगानिस्तान के सभी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 63 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया। सिर्फ यही नहीं, रोहित अब इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। उनके नाम पर बतौर ओपनर भी बड़े रिकॉर्ड दर्ज हुए हैं।

किसी भारतीय द्वारा विश्व कप में सबसे तेज शतक

- 63 गेंदें - रोहित शर्मा - भारत बनाम अफगानिस्तान, 2023
- 81 गेंदें - वीरेंद्र सहवाग - भारत बनाम बरमूडा, 2007
- 83 गेंदें - विराट कोहली - भारत बनाम बांग्लादेश, 2011
- 84 गेंदें - सचिन तेंदुलकर - भारत बनाम केन्या, 1999
- 84 गेंदें - शिखर धवन - भारत बनाम आयरलैंड, 2015

सर्वाधिक वनडे शतक

- 49 - सचिन तेंदुलकर
- 47-विराट कोहली
- 31 - रोहित शर्मा
- 30 - रिकी पोंटिंग
- 28 - सनथ जयसूर्या

- भारत के लिए सबसे तेज वनडे शतक (ओवरऑल)
- 52 - विराट कोहली बनाम ऑस्ट्रेलिया, जयपुर, 2013
- 60 - वीरेंद्र सहवाग बनाम न्यूजीलैंड, हैमिल्टन, 2009
- 61 - विराट कोहली बनाम ऑस्ट्रेलिया, नागपुर, 2013
- 62 - मोहम्मद अजहरुद्दीन बनाम न्यूज़ीलैंड, बड़ौदा, 1988
- 63 - रोहित शर्मा बनाम अफगानिस्तान, दिल्ली, 2023

विश्व कप में सबसे तेज शतक

- 49 - एडेन मार्कराम (दक्षिण अफ्रीका) बनाम श्रीलंका, दिल्ली, 2023
- 50 - केविन ओ ब्रायन (आयरलैंड) बनाम इंग्लैंड, बेंगलुरु, 2011
- 51 - ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया) बनाम श्रीलंका, सिडनी, 2015
- 52 - एबी डिविलियर्स (दक्षिण अफ्रीका) बनाम वेस्टइंडीज, सिडनी, 2015
- 57 - इयोन मोर्गन (इंग्लैंड) बनाम अफगानिस्तान, मैनचेस्टर, 2019
- 63 - रोहित शर्मा बनाम अफगानिस्तान, दिल्ली, 2023

सलामी बल्लेबाज के रूप में सर्वाधिक वनडे शतक

- 45 - सचिन तेंदुलकर
- 29 - रोहित शर्मा
- 28 - सनथ जयसूर्या
- 27- हाशिम अमला
- 25 - क्रिस गेल

हॉकी इंडिया ने महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 20 सदस्यीय टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया ने बुधवार को झारखंड में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होने वाली प्रतिष्ठित महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 20 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की। भारत ने हाल ही में हांगझोऊ में 19वें एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। अब एक नए टूर्नामेंट के लिए तैयार है। सविता टीम का नेतृत्व करेंगी और दीप ग्रेस एक्का उप-कप्तान होंगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 27 अक्टूबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। फिर, टीम का सामना 28 अक्टूबर को मलेशिया से होगा। भारत का तीसरा मैच 30 अक्टूबर को चीन से और 31 अक्टूबर को जापान से होगा। इसके बाद टीम अपना आखिरी पूल मैच 2 नवंबर को कोरिया के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 4 और 5 नवंबर को खेले जाएंगे। आगामी प्रतियोगिता पर बोलते हुए, मुख्य कोच जेनेक शोपमैन ने कहा, एक टीम के रूप में हमारी गति और हमारे निरंतर सुधार को जारी रखने के लिए यह एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हमें हांगझोऊ से सीखी गई बातों को अमल में लाने और एक बार फिर खुद को परखने का मौका मिलेगा। झारखंड के रांची में होने वाले टूर्नामेंट के साथ, हम घरेलू प्रशंसकों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और एक टीम के रूप में अपनी प्रगति दिखाने के लिए उत्सुक हैं।

भारतीय टीम:

गोलकीपर: सविता (कप्तान), बिचू देवी

डिफेंडर: निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान)

मिडफील्डर: निशा, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, मोनिका, ज्योति, बलजीत कौर

फॉरवर्ड: लालरेमसियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया

रिप्लेसमेंट प्लेयर्स: शर्मिला देवी और वैष्णवी विट्ठल फाल्के

दिल्ली हाफ मैराथन में 35,000 से अधिक प्रतिभागियों के लिए होगी बेस्ट मेडिकल फैसिलिटी

नई दिल्ली। 18वीं दिल्ली हाफ मैराथन के प्रमोटर प्रोकैम इंटरनेशनल ने मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में रविवार को 35,000 से अधिक प्रतिभागियों के लिए चिकित्सा सुविधाओं और मार्ग सहित व्यवस्थाओं की रूपरेखा तैयार की। मैराथन के दिन मेडिकल स्टेशनों और बेस कैंपों में फैले 400 से अधिक स्वास्थ्य सेवा कैंप होंगे। इनमें 50 से अधिक डॉक्टर, 100 से अधिक नर्सें, 70 से अधिक पैरामेडिक्स, 10 एसीएलएस एम्बुलेंस, 12 बाइक मेडिक्स और अन्य सहायक कर्मचारी शामिल हैं। दौड़ के अंतिम 6 किलोमीटर में आपातकालीन विशेषज्ञों द्वारा संचालित मेडिकल कैंप होंगे। फिनिश लाइन के पास वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित चिकित्सा कर्मी होंगे, वरिष्ठ नागरिकों को समर्पित 1 मिनी बेस कैंप सहित 11 चिकित्सा सहायता स्टेशन होंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी प्रतिभागियों को पर्याप्त रूप से हाइड्रेटेड रखा जाए, मार्ग में लगभग 13 वॉटर स्टेशन होंगे। दिल्ली हाफ मैराथन को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) का समर्थन प्राप्त है।

भारत, पाकिस्तान को एक दूसरे के साथ क्रिकेट खेलना चाहिए : इंजमाम उल हक

अमृतसर ।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने बुधवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए और दोनों टीमों को एक-दूसरे के साथ क्रिकेट खेलना चाहिए। इंजमाम ने अमृतसर का दौरा किया और मंगलवार को उच्च स्कोर वाले खेल में श्रीलंका के खिलाफ जीत के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम की प्रशंसा की। इंजमाम ने कहा कि पाकिस्तान की टीम अच्छा खेल रही है और इसका श्रेय टीम को जाना चाहिए, खासकर अब्दुल्ला शफीक और रिजवान को। उन्होंने अच्छा खेल दिखाया। अगर टीम इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखती है तो परिणाम बहुत अच्छा होगा। वहीं, इंजमाम ने कहा कि भारत-पाकिस्तान को एक-दूसरे के खिलाफ खेलना चाहिए। यह अच्छी बात है। भारत ने 2008 में एशिया कप के दौरान पाकिस्तान में एक मैच खेला था और तब से उन्होंने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। दोनों देश तटस्थ स्थानों पर एक दूसरे के साथ खेल चुके हैं।

मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ मैच में अब्दुल्ला शफीक और मोहम्मद रिजवान ने शतक बनाकर पाकिस्तान को विश्व कप इतिहास में सबसे बड़ा रन चेज करने में मदद की। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में श्रीलंका 6 विकेट से हार गई। कुसल मेंडिस (122) और सदीरा समाराविक्रमा (108) ने रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारियां खेलीं लेकिन पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने टीम को रन चेज में बनाए रखा। रिजवान ने 121 गेंदों में 131 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि अब्दुल्ला शफीक ने 113 रनों की पारी खेली और इफ्तिखार अहमद के तेजतर्रार कैमियो ने पाकिस्तान को 10 गेंद शेष रहते 344 रनों का पीछा करने में मदद की। ऐसा पहली बार हुआ जब पुरुष विश्व कप इतिहास में पहली बार एक ही मैच में चार शतक लगे थे।

संक्षिप्त समाचार

भारत-पाक मैच कवर करने अहमदाबाद जाएंगे पाकिस्तानी पत्रकार : रिपोर्ट

कराची। 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को कवर करने के लिए पाकिस्तानी पत्रकारों को वीजा मिल गया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कराची के कई पत्रकारों को वीजा एजेंसी से पुष्टि मिल गई है और उनके मैच के दिन पहुंचने की उम्मीद है। भारत में क्रिकेट दिग्गजों के बीच महामुकाबला देखने के लिए लगभग 60 पाकिस्तानी पत्रकार तैयार हैं। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ ने पाकिस्तान के विदेश सचिव साइरस सज्जाद काजी से मुलाकात की और मौजूदा आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप को कवर करने के लिए पत्रकारों के वीजा में देरी पर गंभीर चिंता जताई। अध्यक्ष ने विदेश सचिव से नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग कार्यालय के माध्यम से इस मुद्दे को भारत के गृह मंत्रालय के साथ उठाने का भी अनुरोध किया। पीसीबी ने भारतीय मीडिया में रिपोर्ट किए जा रहे सुरक्षा खतरों को गंभीरता से लिया है और सरकार से भारत में खिलाड़ियों की सुरक्षा का मूल्यांकन करने का अनुरोध किया है। हालांकि, आईसीसी ने शुक्रवार को कहा था कि वह इस कार्यक्रम के कवरेज के लिए आईसीसी से मान्यता प्राप्त पाकिस्तान के 60 पत्रकारों के लिए वीजा पर जोर देने के लिए बीसीसीआई के साथ काम कर रहा है।

राफेल नडाल ऑस्ट्रेलियन ओपन-2024 में करेंगे वापसी : क्रेग टिली

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ओपन-2024 राफेल नडाल के फैंस के लिए बेहद खास रहने वाला है, क्योंकि लंबी चोट के बाद स्पेन के खिलाड़ी की वापसी होने वाली है। टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिली ने बुधवार को इस बात की घोषणा की। चैनल नाइन टुडे से बात करते हुए, टिली ने खुलासा किया कि 22 बार का ग्रैंड स्लैम चैंपियन साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रहे हैं। वह अपने आखिरी सीज़न के लिए तैयार हैं। नडाल ने दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता है। उन्होंने 2009 के फाइनल में रोजर फेडरर को हराया और 2022 में अपने 21वें ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए डेनियल मेदवेदेव को हराया था। 37 वर्षीय स्पैनियार्ड जनवरी में लगी चोट के बाद से प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर हैं। नडाल ने ठीक होने के लिए पूरे सीज़न से बाहर रहने का फैसला लिया। नडाल ने मई में कहा था, मैं सिर्फ खुद को फिर से प्रतिस्पर्धा करने का मौका देना चाहता हूं जो मेरा आखिरी साल होगा। मुझे उम्मीद है कि 2024 में जब मैं वापसी करुंगा तो वह मेरे करियर का एक यादगार साल रहेगा।

भारत-पाक से पहले शाहीन अफरीदी को फॉर्म में लौटना अहम : वकार यूनिस

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने विश्व कप-2023 के दो मैचों में शाहीन अफरीदी के खराब प्रदर्शन की ओर इशारा किया और कहा कि टीम को इस बात पर काम करने की जरूरत है कि आखिर यह तेज गेंदबाज क्या गलती कर रहा है। मोहम्मद रिजवान (131) और अब्दुल्ला शफीक (113) के शानदार शतकों की बदौलत पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में विश्व कप का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर मंगलवार को टूर्नामेंटमें अपना लगातार दूसरा मैच जीत लिया। हालांकि, पाकिस्तान के गेंदबाजों ने संघर्ष किया जिससे श्रीलंका ने 50 ओवर में 344 रन बनाए। कुसल मेंडिस और सदीरा समाराविक्रमा के शतकों ने एक मजबूत लक्ष्य निर्धारित किया, जिससे यह एक विजयी स्कोर जैसा लग रहा था। इस मैच में अफरीदी पाकिस्तान के लिए सबसे महंगे गेंदबाज रहे। उन्होंने 9 ओवर में 66 रन दिए और सिर्फ एक विकेट हासिल किया। टूर्नामेंट में शाहीन खराब फॉर्म में नजर आ रहे हैं जिसका खामियाजा उनकी टीम को उठाना पड़ा। वकार यूनिस ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा, ÷पाकिस्तान के लिए कोई भी मैच तब आसान हो जाता है जब शाहीन शुरुआती विकेट लेने में कामयाब रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में वो लगातार ऐसा करते भी आएं है लेकिन इन दिनों वो खराब फॉर्म में हैं। वो बहुत कोशिश कर रहे हैं मगर वो कामयाब नहीं हो रहे। उन्होंने पैड पर गेंदबाजी करते हुए, ऑफ स्टंप के बाहर और ओवर द विकेट की कोशिश की है लेकिन सफल नहीं हो रहे। पूर्व तेज गेंदबाज ने अनुमान लगाया कि शाहीन शायद किसी परेशानी से जूझ रहे होंगे जिसके बारे में टीम प्रबंधन को उनसे बात करनी चाहिए। उनका फॉर्म में लौटना टीम के लिए अहम है क्योंकि अब पाकिस्तान को भारत के खिलाफ खेलना है। शाहीन का रिकॉर्ड भारत के खिलाफ शानदार रहा है। इसलिए, वह टीम का एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है पाकिस्तान का अगला मुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत से होगा।

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप से पहले राष्ट्रीय शिविर कर्णी सिंह रेंज में शुरू

नई दिल्ली। 19वें एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के ठीक एक हफ्ते बाद भारतीय शूटिंग टीम आगामी 15वीं एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप (एएससी) की तैयारी के लिए राष्ट्रीय शिविर में वापस आ गई है। यह चैंपियनशिप अतिरिक्त महत्व रखती है, क्योंकि वे कुल 24 पेरिस ओलंपिक कोटा स्थानों की पेशकश करेंगे जो राइफल, पिस्टल और शॉटगन श्रेणियों में 12 व्यक्तिगत ओलंपिक स्पर्धाओं में समान रूप से विभाजित हैं। भारतीय टीम पहले ही निशानेबाजी में सात पेरिस कोटा जीत चुकी है और चांगवोन में 17 में से अधिक से अधिक कोटा हासिल करना चाहेगी। सीनियर टीम में 17 कोच और आठ सहयोगी स्टाफ के साथ शिविर में कुल 38 निशानेबाज हैं। दूसरी ओर जूनियर टीम में 36 निशानेबाजों के साथ 12 कोच और पांच सहयोगी स्टाफ सदस्य हैं। शिविर हाई-परफॉर्मेंस निदेशक डॉ. पियरे ब्यूचैम्प के साथ-साथ विदेशी कोच थॉमस फार्निक (राइफल), मुखबयार दोर्जसुरेन (पिस्टल), मार्सेलो ड्राडी (ट्रैप) और एन्रियो फाल्को (स्कीट) की देखरेख में चलाया जाएगा। शिविर की अवधि विभिन्न समूहों के लिए उनके चांगवोन कार्यक्रम के आधार पर होती है। 15वीं एएससी में प्रतियोगिताएं 24 अक्टूबर से शुरू होंगी और फाइनल इवेंट 1 नवंबर को निर्धारित हैं।

शंघाई मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचे ह्यूबर्ट हुरकाज

शंघाई। ह्यूबर्ट हुरकाज ने झांग झिझेन को 7-6(6), 4-6, 7-6(4) से हराकर टेनिस के शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। हुरकाज का अगला मुकाबला हंगरी के फ़ैबियन से होगा, जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 7-6 (3), 3-6, 6-4 से हराया। फैबियन ने मैच के बाद कहा, मैच खत्म करना कभी आसान नहीं होता। वह शीर्ष 10 खिलाड़ी में हैं और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। मैं मैच जीतकर बहुत खुश हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को पर 7-5, 7-6 (6) से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। कोर्डा ने कहा, जिस तरह से मैंने टाईब्रेक में खेला उससे मैं बहुत खुश हूं। जब वह कुछ मिनी-ब्रेक में था तो मैं शांत रहा और कुल मिलाकर मैंने जिस तरह से खेला उससे मैं खुश हूं। अंतिम आठ में कोर्डा का मुकाबला अपने हमवतन बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने अपना 21वां जन्मदिन इटली के छठी वरीयता प्राप्त जानिक सिनर को 2-6, 6-3, 7-6 (5) से हराकर मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी पहली क्वार्टरफाइनल में जगह बनाकर मनाया।

क्रिकेट, स्क्वाश सहित इन पांच खेलों को लॉस एंजिल्स ओलंपिक में मिल सकती है जगह

लंदन ।

साल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट, स्क्वाश सहित इस पांच खेलों में शामिल किया जा सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने का फैसला 15 अक्टूबर को मुंबई में शुरू होने वाले अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 141वें सत्र में होने की संभावना है। क्रिकेट = क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए आईओसी इसे शामिल करने को उत्सुक है। इसका एक कारण इससे मिलने वाला भारी राजस्व भी। क्रिकेट को इन खेलों का हिस्सा बनाकर आईओसी दक्षिण एशियाई दर्शकों को लुभाने के साथ प्रसारण करार से बड़ी रकम हासिल कर सकता है। ओलंपिक में क्रिकेट के प्रवेश से इस खेल की पहुंच बढ़ाने में भी काफी मदद मिलेगी। भारत इस खेल का सबसे बड़ा बाजार है और 2028 सत्र में इसके शामिल होने के बाद देश में आईओसी प्रसारण सौदे का मूल्य काफी बढ़ जाएगा। इससे पहले ओलंपिक में क्रिकेट केवल एक बार खेला गया था। साल 1900 में पेरिस में इंग्लैंड और फ्रांस के बीच स्वर्ण पदक का मुकाबला हुआ था। ओलंपिक में पुरुषों और महिलाओं की स्पर्धा टी20 प्रारूप में होगी।

स्क्वाश = स्क्वैश एक रैकेट खेल है जिसे 2 खिलाड़ी (या डबल्स के लिए चार खिलाड़ी) एक छोटी रबर गेंद से 4 दीवारों वाले कोर्ट में खेलते हैं।

फ्लैश फुटबॉल : फ्लैश फुटबॉल अमेरिकी फुटबॉल का एक प्रकार है। यहां खिलाड़ी गेंद के लिए आपस में नहीं खेलते बल्कि गेंद को डिफेंस कर दूसरे पार ले जाना होता है। प्रत्येक टीम में पांच खिलाड़ी होते हैं। इसका मैदान छोटा पर लंबा होता है।

बेसबॉल-सॉफ्टबॉल : बेसबॉल 1846 में इंग्लैंड में सबसे पहले खेला गया था पर बाद में ये संयुक्त राज्य अमेरिका का नेशनल गेम बन गया। बेसबॉल तब उत्तरी अमेरिका, सेंट्रल और दक्षिण अमेरिका, केरेबिया और पूर्वी एशिया में काफी खेला जाता था।

वहीं सॉफ्टबॉल एक बल्ले और गेंद का खेल है जो 10 खिलाड़ियों की 2 टीमों के बीच खेला जाता है। यह बेसबॉल से ही आया है। हालांकि इसमें एक प्रमुख अंतर है। सॉफ्टबॉल बेसबॉल से बड़े होते हैं और गेंद ओवरहैंड के बजाय अंडरहैंड फेंकी जाती है। यह छोटे मैदान पर खेला जाता है।

लैक्रोस : लैक्रोस एक टीम स्पोर्ट है जिसे लैक्रोस स्टिक और लैक्रोस गेंद के साथ खेला जाता है। इसकी शुरुआत उत्तरी अमेरिका में 12वीं शताब्दी में हुई थी। खिलाड़ी गेंद को गोल में ले जाने, पास करने, पकड़ने और शूट करने के लिए लैक्रोस स्टिक के सिर का उपयोग करते हैं। खेल के चार संस्करण हैं जिनमें अलग-अलग छड़ें, फ़ील्ड, नियम और उपकरण हैं: फील्ड लैक्रोस, महिला लैक्रोस, बॉक्स लैक्रोस और इंटरक्रॉस।

श्रीलंकाई स्पिनर हसरंगा की सर्जरी सफल रही

कोलंबो । श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा की चोट के लिए सर्जरी हुई है। इसी कारण वह विश्वकप से भी बाहर हैं। इसके अलावा वह एशिया कप में भी नहीं खेल पाए थे। हसरंगा ने सर्जरी के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट प्रकाशित की है जिसमें उन्होंने अपने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया है। इसमें हसरंगा ने कहा कि मेरी हैमस्ट्रिंग की सर्जरी सफल रही। इसमें प्रोफेसर हद्दाद और अस्पताल के कर्मचारियों की अहम भूमिका रही है हालांकि सर्जरी के कारण मैं कुछ समय के लिए खेल से बाहर रहूंगा पर इसके बाद मैं अच्छी वापसी का प्रयास करुंगा। साथ ही कहा कि इस कठिन समय में सहायता और समर्थन के लिए मैं राष्ट्रीय फिजियो, श्रीलंका क्रिकेट, श्रीलंका मेडिकल पैनल, मेरे आईपीएल फ्रेंचाइजी आरसीबी के प्रबंधन, श्याम इम्पेट और मेरी प्रबंधन टीम के विल क्रिन के थिहान चंद्रमोहन के प्रयासों का आभारी हूं। मेरी सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी करने में आपका सहयोग सराहनीय है। साथ ही कहा कि मेरी पत्नी विद्या और परिवार ने इस दौरान मेरा पूरा साथ दिया। हसरंगा ने अपनी सहायता करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद भी दिया। श्रीलंका को इस विश्वकप में इस गेंदबाज की कमी खली है। उसे अबतक अपने दोनो ही मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इतिहास और आस्था का गढ़ पावागढ़

गुजरात के पंचमहल जिले का पावागढ़ एक बहुत ही खूबसूरत हिल स्टेशन है। समुद्रतल से 822 मीटर की ऊंचाई लिए यह इलाका अपने प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिकता और हिन्दू-मुस्लिम आस्था के केन्द्र के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र की सैर पर्यटन के एक नए अनुभव से परिचित कराती है

प्रमुख दर्शनीय स्थल

चंपानेर

पावागढ़ हिल पर बसा चंपानेर बेहद रमणीय स्थल है। कहा जाता है कि राजा वनराज चावड़ा ने चंपानेर को अपने मंत्री चंपा की याद में बसाया था। एक बात जो चंपानेर को और भी खास बनाती है, वह यह है कि 16वीं शताब्दी के महान संगीतकार और तानसेन के समकालीन प्रतिद्वंद्वी बैजू बावरा चंपानेर से ही संबंध रखते थे।

कालिका माता मंदिर

पावागढ़ पहाड़ी की चोटी पर इस क्षेत्र का सबसे प्राचीन मंदिर है कालिका माता मंदिर। यह स्थान सबके आकर्षण का केन्द्र बिंदु है। मंदिर चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्व पार्क के अंतर्गत आता है। इस मंदिर तक जाने वाला 5 किलोमीटर का रास्ता एक जंगल से होकर गुजरता है जो धार्मिक आस्था के साथ-साथ श्रद्धालुओं में रोमांच पैदा करता है। आप चाहें तो केबल कार से भी मंदिर तक कुछ

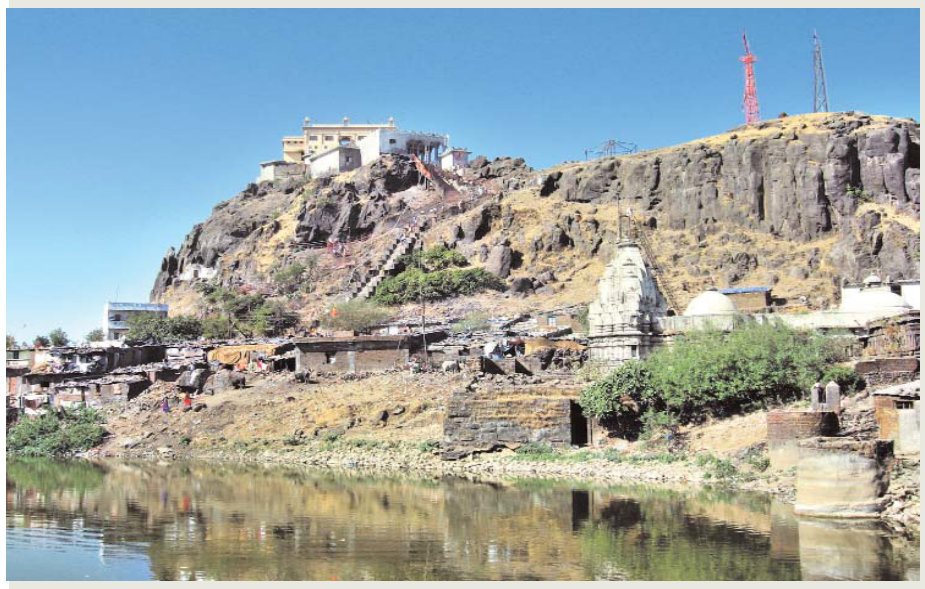

ही मिनटों में पहुंच सकते हैं। समुद्रतल से 762 मीटर की ऊंचाई पर स्थित 10वीं और 11वीं शताब्दी के दरम्यान बने इस मंदिर में माता की तीन मूर्तियां हैं। यह मंदिर भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है। कहते हैं भगवान शिव के तांडव के दौरान सती के दाहिने पैर की उंगली इसी स्थान पर गिरी थी। चैत्र मास में माता का मेला लगता है।

पुरातत्व पार्क

यह पार्क तीन हिस्सों में बंटा हुआ है। आधार वाले हिस्से को चंपानेर, पहाड़ी की चोटी को पावागढ़ और इन दोनों को जोड़ने वाले हिस्से को मर्ची कहा जाता है। यह पार्क देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। यह पार्क प्राचीन इमारतों के अवशेषों, महल, दुर्गो, धार्मिक इमारतों, आवासीय क्षेत्रों, कृषि और अन्य प्रतिष्ठानों से संबंधित रचनाओं का गवाह है। पार्क में मौजूद विभिन्न शिलालेख प्रागैतिहासिक काल के बारे में बहुत कुछ कहते हैं। यह पार्क पावागढ़ के पर्यटन का प्रमुख हिस्सा है। यह भारत में पायी जाने वाली प्राचीन संरचनाओं में से एक है। इस पार्क के भीतर 100 से अधिक ऐतिहासिक इमारतें मौजूद हैं। पार्क में हिन्दू और मुस्लिम भवन निर्माण शैली का अनूठा मिशग्रमिलता है। इस पार्क को 'यूनेस्को' ने 2004 में विश्व धरोहर का दर्जा प्रदान किया।

पावागढ़ किला

किले को देखकर कोई भी व्यक्ति किले की भव्यता का अंदाजा लगा सकता है। यह किला गुजरात के समतल भूमि पर बने किलों में से एक है। इस किले का अपना महत्व है। चंपानेर क्षेत्र में स्थित यह किला कभी सोलंकी राज्य का महत्वपूर्ण हिस्सा था। किले की दीवारों के कुछ हिस्से अब भी बने हुए हैं।

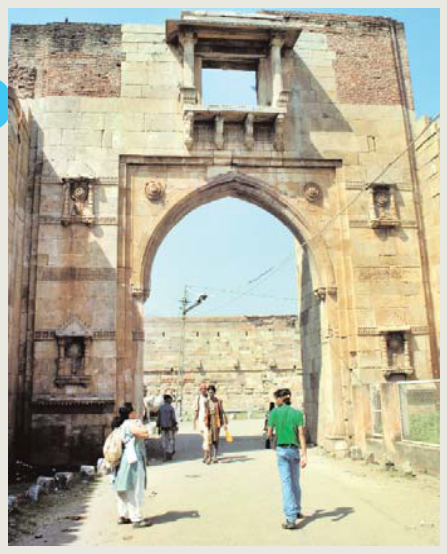

मस्जिद

पावागढ़ में जामा मस्जिद, नगीना मस्जिद, केवड़ा मस्जिद, सहारा की मस्जिद और लीला गुंबई नामक पांच प्रमुख मस्जिदें हैं। इन मस्जिदों की वास्तुशैली, इनकी सजावट और नक्काशी देखने वालों को जहां आस्था से भर देती है वहीं यहां के समृद्ध इतिहास को बयां करती है। इन्हें देखे बगैर पावागढ़ की यात्रा जैसे अधूरी-सी लगती है।

सदानशाह पीर दरगाह

कालिका मंदिर से थोड़ा आगे ऊपर की ओर संत सदानशाह पीर दरगाह है। कालिका माता और इस दरगाह के कारण यह जगह हिन्दू और मुस्लिमों की सामूहिक आस्था और श्रद्धा का केन्द्र है। इसके अलावा सत कामन, वद तालाब, लकुलिसा मंदिर, पाश्वनाथ मंदिर आदि पावागढ़ के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

कैसे आएं

वडोदरा तक आप किसी भी वाहन द्वारा पहुंच सकते हैं। इसके आगे का लगभग 40 किलोमीटर का सफर आपको पावागढ़ तक पहुंचाता है। नजदीक का रेलवे स्टेशन चंपानेर है। नजदीक का एयरपोर्ट वडोदरा (40 किलोमीटर) है ।

सही समय

वैसे पावागढ़ घूमने का सही समय फरवरी से जून और अक्टूबर से दिसम्बर का है। लेकिन प्रकृति प्रेमी और इतिहासकार पूरे वर्ष भर किसी भी मौसम में यहां घूमते नजर आ जाते हैं।

पटना का जादू घर लुभाता है बच्चों को

बिहार की राजधानी पटना का पर्यटन की दृष्टि से विशेष महत्व है। बोधगया जाने वाले कई सैलानी पटना शहर घूमने जरूर आते हैं। इतिहास में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों और पर्यटकों के लिए यहां कई ऐतिहासिक स्थल है जहां उन्हें जरूर जाना चाहिए। इसके अलावा पटना संग्रहालय ऐसी जगह है जहां गुप्तकाल, कुशान व मुगल काल और ब्रिटिश काल में संबंधित कई चीजें उस दौर के इतिहास से रूबरू कराती हैं। जादू घर के नाम से भी लोकप्रिय इस संग्रहालय में बच्चों को जरूर ले जाना चाहिए। फिलहाल इसे नये जगह ले जाने और नया रूप देने की तैयारी चल रही है।

सर एडवर्ड गैट इस संग्रहालय के संस्थापक थे। 1917 में इस संग्रहालय के संस्थापक थे। 1917 में इस संग्रहालय के बारे में लोगों को पता चला। इस संग्रहालय भवन की बेजोड़ कलाकृति देश-विदेश से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है। प्रवेश द्वार प ही सर एडवर्ड गैट की अर्धप्रतिमा स्थापित हैं। म्यूजिक के चारों तरफ बेहद खूबसूरत पार्क बनाया गया है। इसकी, हरियाली मन को मोह लेती है। इस संग्रहालय में लगभग 45 हजार से भी ज्यादा वस्तुएं हैं जो प्रदर्शन के लिए रखी गई है। लेकिन जगह के अलाव के कारण कई वस्तुएं प्रदर्शित नहीं हो पा रही है।

हाल ही में पटना हाईकोर्ट के पास इस संग्रहालय के लिए जगह दी गई हैं और इसके निर्माण के लिए लगभग 400 करोड़ का पैकेज भी दिया गया है। आने वाले समय में आप पटना संग्रहालय का नया रूप देख पाएंगे। उन सारी वस्तुओं को भी देख पाएंगे जो जगह न रहने के कारण डिस्टले नहीं हो पा रही थीं। उम्मीद की जा रही हैं कि 22 मार्च 2015 को बिहार दिवस के दिन इस नए संग्रहालय का उद्घाटन किया जाएगा।

पटना जंक्शन से लगभग दो किलोमीटर दूर बुद्धमार्ग के इस संग्रहालय में वस्तुओं के प्रदर्शन के लिए दो मंजिला इमारत बनी है। जिसके अंदर कई गैलरी हैं। इन गैलरियों में दुर्लभ वस्तुओं को सलीके से प्रदर्शित किया गया है। ग्राउंड फ्लोर के दाहिनी तरफ की एक गैलरी में कई तरह के जानवरों की प्रतिकृति रखी हैं। इनको को देख बच्चे चकित रह जाते हैं। बड़े आकार के विसन को हॉल के बीच में रखा गया है। इसके आसपास टाइगर, डियर, मगरमच्छ, पैंथर, पक्षियों और तितलियों की प्रतिकृति के अलावा भी और कई चीजें हैं देखने के लिए।

ग्राउंड फ्लोर के बायीं तरफ गैलरी में आने वाले पर्यटक यहां रखी तीसरी शताब्दी की दीदारगंज याक्षिणी को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते है। यहां और भी कई खूबसूरत कलाकृति दर्शनीय हैं जैसे काले पत्थर से बना गरगोइल जो बुद्ध के जन्म को दर्शाता है। हॉल दूसरे छोटे से हॉल से जुड़ा हैं जहां भगवान बुद्ध की विभिन्न मुद्रा में मूर्तियां देखने को मिलती हैं। पाल काल की बेहतरीन कारीगरी के रूप में बुद्ध की मूर्ति के अलावा कई दुर्लभ चीजें देखने को मिलती हैं।

पहली मंजिल पर बीचोंबीच स्थित इस गैलरी में टेराकोटा से बनी डांसिंग गर्ल, लाफिंग बॉय और स्माइलिंग गर्ल देखा जा सकता है। मोहनजोदड़ो और तक्षशिला के अलावा यहां मौर्य, संग, कुशान और गुप्त काल के टेराकोटा रखे गए हैं। इसी मंजिल पर कई और गैलरी हैं जैसे ब्रोंज गैलरी, अस्त्र शास्त्र की गैलरी, पेंटिंग गैलरी, पाटलीपुत्र गैलरी और राजेंद्र गैलरी। हर गैलरी में ऐसी चीजें रखी गई हैं, जो विस्मित कर देती हैं।

इसके अलावा कई और गैलरी हैं जहां बेहतरीन कलाकृति देखी जा सकती हैं जैसे आर्ट गैलरी, बुद्धा रेलिक गैलरी, ओड़िशा स्टोन स्कलप्चर, इंडियन स्टोन आर्ट ट्रेडिशन, राहुल सांस्कृत्यायन गैलरी।

पटना म्यूजियम का राष्ट्रीय महत्व है। यहां ऐसी कई दुर्लभ चीजें हैं, जो कहीं और देखने को नहीं मिलती। अगर पटना जाए तो यहां जरूर जाएं ताकि आप भी इतिहास और जादू की दुनिया से जुड़ सके। यहां आप सुबह साढ़े दस बजे से शाम साढ़े चार बजे तक जा सकते हैं। सोमवार को यह संग्रहालय बंद रहता है।

स्वर्णिम इतिहास का प्रमाण है महाबलीपुरम

तमिलनाडु में स्थित मामल्पुरम (जिसे महाबलीपुरम भी कहा जाता है) एक बहुत ही सुंदर समुद्रतट है और साथ ही दक्षिण भारत के स्वर्णिम इतिहास का जीता-जागता प्रमाण भी। इस शहर को इसे पल्लव राजवंश के राजा महेन्द्र बर्मन ने 7वीं सदी में बनवाया था। यहां की शिल्पकला अत्यंत सुंदर है और दर्शकों का मन मोह लेती है।

पंचरथ यहां का खूबसूरत स्थल है। ये एक ही पत्थर से बने हुए मंदिर हैं जिन्हें पांच पांडवों का नाम दिया गया है। ये रथ के आकार में बनाए गए हैं। ये मंदिर दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिरों की एक झांकी प्रस्तुत करते हैं।

पल्लव कला का आखिरी नमूना है शोर टेंपल। यह 7वीं सदी में राजसिम्ह नामक राजा ने बनवाया था। इस मंदिर की विशेषता है भगवान शिव और विष्णु के लिए बनाए गए तीर्थस्थान। यह धर्मराज रथ को देख कर बनाया गया है।

बास रिलीफ व्हेल मछली के आकार की विश्व की सबसे बड़ी चट्टान मानी जाती है। इसके एक तरफ देवी-देवताओं की मूर्तियां तथा दूसरी ओर विभिन्न जानवरों की मूर्तियां उकेरी गई हैं। इसकी शिल्पकला देखने लायक है।

महिषासुरमर्दिनी की गुफा और मंडप की गुफाओं में महिषासुर का वध करते हुए मां दुर्गा की एक मूर्ति है और दूसरी गुफा में नाग देवता पर लेटे हुए भगवान विष्णु की मूर्ति है। यहां आठ मंडप भी हैं जिनकी कला अवर्णनीय है।

महाबलीपुरम से लगभग 53 किलोमीटर दूर स्थित वेदंगतल नामक स्थल पक्षी अभयार.य के लिए प्रसिद्ध है। यहां नवंबर से फरवरी तक पक्षी आते हैं। आप क्रोकोडाइल बैंक भी देखने जा सकते हैं। यहां विभिन्न प्रजातियों के करीब पांच हजार मगरमच्छ रहते हैं। यह सुबह 8.30 से शाम 5.30 तक खुला रहता है।

मुथकडु कोवलम के उत्तर में स्थित है। यह स्थल बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स के लिए बनाया गया है। यहां पर्यटकों को बोटिंग का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। यहां शंख, सीपियों और पत्थर का बना सामान प्रसिद्ध है।

महाबलीपुरम जाना चाहें तो याद रखें कि अक्टूबर से जनवरी तक का समय यहां आने के लिए उपयुक्त है। मई से जुलाई तक तो यहां बहुत अधिक गर्मी पड़ती है और तापमान 42 डिग्री सेंटीग्रेड तक जा पहुंचता है। महाबलीपुरम तक आने के लिए आपको चेन्नई से बस और टैक्सियां भी आसानी से उपलब्ध हो जाएंगी और दक्षिण भारत के सभी शहरों से यहां तक बस सेवा भी उपलब्ध है।

महाबलीपुरम में ठहरने की भी उचित व्यवस्था है। यहां निजी होटलों के अलावा सरकारी गेस्ट हाउस और लॉज इत्यादि भी हैं जहां आसानी से उचित मूल्य में आपके ठहरने की व्यवस्था हो सकती है। ठहरने की व्यवस्था यहां मौजूद दलालों की मदद लिए बगैर यदि स्वयं ही करें तो ठीक रहेगा। आप चाहें तो होटल में अपने ठहरने की व्यवस्था पहले से ही फोन पर बुकिंग कर भी करवा सकते हैं।

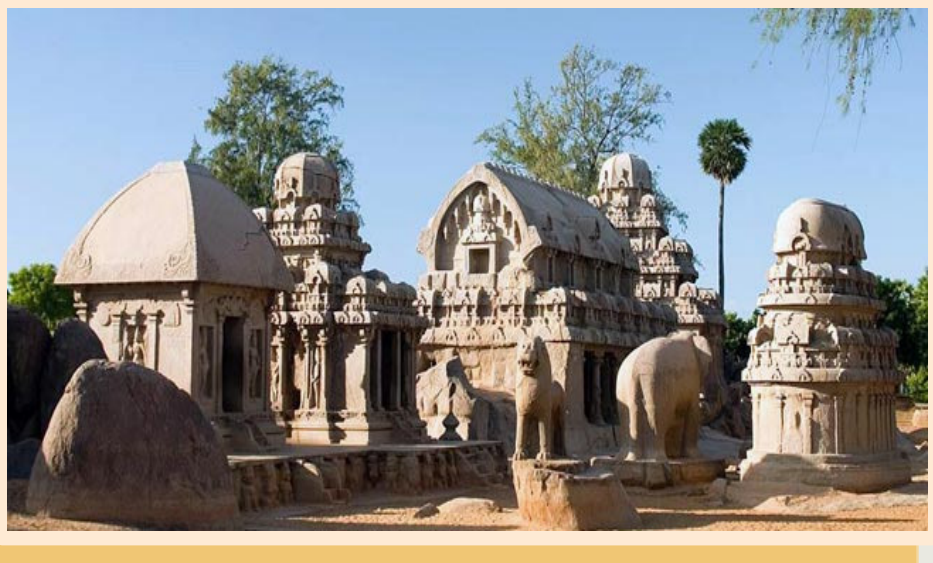

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैदल ही 2 घंटे में घूम सकते है इजराइल, यहां का हर नागरिक है सैनिक

येरुसलेम । दुनिया में सबसे मजबूत सेनाओं वाला देश इज़रायल है। इसका क्षेत्रफल इतना है कि इसे दो घंटे में ही घूमा जा सकता है। इसकी सबसे बड़ी खा?सियत यह है कि यहां का हर नागरिक सैनिक है, जो देश की रक्षा में लगा हुआ है। इसमें महिलाएं भी पीछे नहीं है, हर महिला के हाथ में बंदूक देखी जा सकती है। दुनिया के कुछ सबसे नए देशों में शुमार इज़रायल को बने हुए 74 साल का वक्त ही गुजरा है लेकिन विश्व में इसकी अपनी पहचान है। खासतौर पर अपने डिफेंस सिस्टम के लिए ये देश जाना जाता है। इस वक्त भले ही इज़रायल के डिफेंस सिस्टम में हुई ज़रा सी चूक का हर्जाना उसे युद्ध के तौर पर चुकाना पड़ रहा है लेकिन यहां की खुफिया एजेंसी मोसाद दुनिया भर में अपने कठिन ऑपरेशनों की वजह से जानी जाती रही है। इस देश का क्षेत्रफल इतना कम है कि 3 इज़रायल मिलाकर भी राजस्थान की बराबरी नहीं कर सकते। इज़रायल एक ऐसा देश है, जिसका क्षेत्रफल इतना कम है कि पूर्व से पश्चिम इसे पैदल ही 2 घंटे में आसानी से घूम जा सकते है। हालांकि ऊपर से नीचे घूमने में इसे 9 दिन लगते हैं।

इज़रायल की जनसंख्या अब तक 1 करोड़ से भी कम है।

साल 2021 की जनगणना के मुताबिक इजराइल में तकरीब 93 लाख लोग रहते है। यहां गौरतलब है कि इज़रायल में महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार प्राप्त हैं। यहां तक कि इज़रायल की सेना में भी महिलाओं और पुरुषों की भागीदारी बराबर की रखी गई है। दुश्मनों से घिरे हुए देश होने के नाते यहां के हर नागरिक के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ज़रूरी है और उसे 3 साल अपनी सेवाएं सेना में देनी ही होती हैं। इज़रायल में महिलाओं को अपने साथ बड़ी-बड़ी एसॉल्ट राइफल्स लेकर घूमते हुए देखा जा सकता है। ये उनकी और किसी भी वक्त नागरिकों की सुरक्षा के लिए होती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी मिल जाएंगी। इज़राइल देश भले ही छोटा हो लेकिन तकनीक के मामले में इसका कोई जवाब नहीं है। इसने साल 1979 में दुनिया का पहला एंटीवायरस बनाया था और घरेलू कंप्यूटर के इस्तेमाल में ये दुनिया का अव्वल देश है। पहली वॉइस मेल तकनीक भी इज़राइल में बनी थी और यहां 95 फीसदी घरों पानी सोलर एनर्जी से गर्म होता है। इस देश ने पहला ड्रोन तैयार किया था और यहां की नोटों पर ब्रेल मार्किंग होती है, ताकि अंधे लोग भी इसे पहचान सकें। दुनिया में सबसे ज्यादा प्लास्टिक की बोतलों को रिसाइकिल भी इज़राइल ही करता है।

पीएमएल-एन 21 अक्टूबर को प्रदर्शन के लिए कार्यकताओं में भर रही है जोश

लाहौर। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने लाहौर में तीन रैलियों को रद्द करने का फैसला किया है, जो पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ के 21 अक्टूबर को घर वापसी से पहले कार्यकर्ताओं में इस बड़े कार्यक्रम से पहले जोश भर रही है। पंजाब में पीएमएल-एन के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक यह निर्णय खुद श्री शरीफ के निर्देश पर लिया गया था, जो इस महीने के अंत में लाहौर पहुंचेंगे और मीनार-ए-पाकिस्तान में एक सभा को संबोधित करेंगे। पीएमएल-एन नेता ने समाचार पत्र डॉन को बताया, 'नवाज शरीफ ने पार्टी अध्यक्ष शहबाज शरीफ को निर्देश दिया कि वह अपनी वापसी से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को थकने ने दें। पार्टी नेताओं को उनकी घर वापसी को ऐतिहासिक बनाने के लिए हर जगह बैठकें करते रहना चाहिए और कार्यकर्ताओं के साथ अच्छा समन्वय स्थापित करना चाहिए।' पार्टी के भीतर मतभेदों की खबरों के बीच पीएमएल-एन के शीर्ष नेता ने जूनियर शरीफ से 21 अक्टूबर के रैली को सफल बनाने के लिए पंजाब, खासकर लाहौर के कुछ नेताओं के बीच पनपे मतभेदों को तुरंत सुलझाने के लिए भी कहा है। श्री नवाज शरीफ की घर वापसी के लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाने के लिए लाहौर में ख्वाजा साद रफीक, राणा मशहूद और रियाज़ मलिक के निर्वाचन क्षेत्रों में तीन रैलियों की योजना बनाई गई थी। मुख्य आयोजक मरियम नवाज़ को लाहौर में इन रैलियों को संबोधित करना था। पीएमएल-एन को लाहौर में सात रैलियां करनी थीं, लेकिन उसने इस महीने की शुरुआत में दो रैलियां रद्द कर दीं और अब बाकी तीन सभाएं भी रद्द कर दी गईं। श्री नवाज़ 'चिकित्सा आधार' पर लाहौर उच्च न्यायालय से चार सप्ताह की जमानत हासिल करने के बाद नवंबर 2019 में लंदन के लिए रवाना हुए। अपने प्रस्थान से पहले वह अल-अज़ीज़िया मिल्स भ्रष्टाचार मामले में लाहौर में सात साल की जेल की सजा काट रहे थे। इस महीने की शुरुआत में पीएमएल-एन नेता राणा सनाउल्लाह ने कहा था कि श्री नवाज को स्वदेश लौटने से पहले सुरक्षात्मक जमानत मिल जाएगी और रैली को संबोधित करने के बाद अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में अदालत में आत्मसमर्पण किया जाएगा। पीएमएल-एन सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने हालांकि स्पष्ट किया है कि रैली के बाद श्री नवाज शरीफ रायविंड के जाति उमरा स्थित अपने घर जाएंगे।

हेरात प्रांत में भूकंप के तेज झटके, 100 से अधिक लोग घायल

हेरात। अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में भूकंप के दो शक्तिशाली झटकों में 1,000 से अधिक लोगों की मौत के कुछ ही दिनों बाद बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गयी। भूकंप के झटके आज सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग 05:10 बजे हेरात शहर से 28 किमी उत्तर में महसूस किए गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटकों से 100 से अधिक लोग घायल हो गए है और उन्हें उपचार के लिए अस्पतालों में भर्ती किया गया है। अफगानिस्तान के लोग शनिवार को आए विनाशकारी भूकंप से अभी उबर भी नहीं पाए कि उन्हें आज सुबह फिर से भूकंप के तेज झटकों का सामना करना पड़ा है। हाल ही में आए भूकंप के बाद उनके घर नष्ट हो जाने के बाद कई लोग खुले में सो रहे थे। सहायता एजेंसियों ने कहा है कि कंबल, भोजन और अन्य आपूर्ति की भी कमी है। अफगानिस्तान अक्सर भूकंप से प्रभावित होता रहा है। यह विशेषकर हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला में यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के पास स्थित है।

पश्चिमी अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके, 80 लोग घायल

हेरात। पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में बुधवार को भूकंप के तेज झटके महससू किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गयी। भूकंप में कम से कम 80 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ज्यादातर घायलों को रुबात सांगी जिले से अस्पताल ले जाया गया है। इससे पहले शनिवार को हेरात और पड़ोसी बदघिस और फराह प्रांतों में कई भूकंप के झटकों के साथ दो शक्तिशाली झटके महसूस किए गए थे। जिसमें 2,000 से अधिक लोग मारे गए और हजारों लोग घायल हो गए।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े हिंदू मंदिर अक्षरधाम का अमेरिका में उद्घाटन

रॉबिन्सविले। दुनिया में दूसरे सबसे बड़े और पश्चिमी गोलार्द्ध में सबसे बड़े हिंदू मंदिर का अमेरिका के न्यू जर्सी शहर में उद्घाटन किया गया है। न्यूयॉर्क सिटी से 99 किलोमीटर दक्षिण में न्यू जर्सी की रॉबिन्सविले सिटी में 185 एकड़ भूभाग में स्थित यह अक्षरधाम मंदिर 191 फुट ऊंचा है। 'बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण' (बीएपीएस) के नेता महंत स्वामी महाराज की मौजूदगी में आठ अक्टूबर को इस मंदिर का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में हजारों लोग शामिल हुए। महंत स्वामी महाराज ने कहा, 'उत्तर अमेरिका में ऐसे अक्षरधाम मंदिर का निर्माण करना प्रमुख स्वामी महाराज की दिव्य इच्छा थी जहां सभी जाति, नस्ल या धर्म के लोग आ सकते हैं।' उद्घाटन समारोह में डेलावेयर के गवर्नर जॉन कार्नी और कांग्रेस सदस्य स्टेनी होयर भी शामिल हुए। बीएपीएस के वरिष्ठ नेता और प्रेरक वक्ता ज्ञानवत्सलदास स्वामी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'यह इस ग्रह पर दूसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है और जाहिर तौर पर पश्चिम गोलार्द्ध में यह सबसे बड़ा मंदिर है जिसका आठ अक्टूबर को महंत स्वामी महाराज के 90वें जन्मदिन पर उद्घाटन किया गया। यह इस समाज और मानवता को समर्पित है।' उन्होंने कहा, 'मंदिर बनाने का मूल उद्देश्य लोगों को मूल्यों के साथ प्रेरित करना है। भारतीय ग्रंथों के अनुसार एकांतिक धर्म के चार स्तंभ – धर्म, ज्ञान, वैराग्य और भक्ति को भगवान स्वामीनारायण ने अच्छी तरह से स्पष्ट किया है। इसलिए यह भारतीय संस्कृति और परंपरा को समर्पित एक स्मारक है। यह भगवान स्वामीनारायण के जीवन और शिक्षाओं को समर्पित एक स्मारक है।' मंदिर में लगाए गए पत्थरों पर रामायण और महाभारत की कहानी को उकेरा गया है। मंदिर के स्तंभों और दीवार पर 150 से अधिक भारतीय वाद्ययंत्र और सभी प्रमुख नृत्य कलाएं हैं।

संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान को हिंद महासागर की मजबूती के लिए जयशंकर ने महत्वपूर्ण बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बुधवार को कहा कि संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान के साथ-साथ एक बहुपक्षीय नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था हिंद महासागर को एक मजबूत समुदाय के रूप में पुनर्जीवित करने का आधार है। भारत के निशाने पर परोक्ष तौर पर चीन था जो इस क्षेत्र में अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां 'हिंद महासागर रिम एसोसिएशन' (आईओआरए) के मंत्रियों की परिषद की 23वीं बैठक में कहा कि समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि के आधार पर हिंद महासागर को एक मुक्त, खुला और समावेशी स्थान बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इस महत्वपूर्ण बैठक में भारत ने 2023-25 के लिए आईओआरए के उपाध्यक्ष की भूमिका ग्रहण की।

इस मौके पर जयशंकर ने कहा, ''हम हिंद महासागर क्षेत्र में क्षमता निर्माण और सुरक्षा सुनिश्चित करने में पहले उत्तरदाता के तौर पर योगदान देने के अपने दृष्टिकोण को जारी रखेंगे।'' उन्होंने कहा, ''एक बहुपक्षीय नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान हिंद महासागर को एक मजबूत समुदाय के रूप में पुनर्जीवित करने का आधार बना हुआ है।'' जयशंकर ने कहा कि एशिया के पुनरुत्थान और वैश्विक पुनर्संतुलन में, हिंद महासागर एक केंद्रीय स्थान रखता है, जो व्यापार का समर्थन करके और आजीविका बनाए रखकर, कनेक्टिविटी और संसाधन उपयोग की अपार संभावनाएं प्रदान करके, तटीय देशों के विकास और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।''

उन्होंने कहा, '' वसुधैव कुटुंबकम या दुनिया एक परिवार है का संदेश आईओआरए सदस्य देशों को एकसाथ लाने के लिए एक बाधने वाली शक्ति हो सकती है।'' जयशंकर ने कहा कि उपाध्यक्ष और इस समूह के सदस्य के रूप में भारत की प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास एक ऐसे हिंद महासागर समुदाय को विकसित करना है जो स्थिर और समृद्ध, मजबूत और लचीले रुख वाला हो और जो महासागर की परिधि में सहयोग करने के साथ ही उसके परे होने वाली घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो।''

उन्होंने कहा, ''इस प्रकार हिंद महासागर को समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि (यूएनसीएलओएस) के आधार पर, एक मुक्त, खुले और समावेशी स्थान के रूप में बनाए रखना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि 1971 की भावना, जिसका उल्लेख श्रीलंकाई सहयोगी ने कियाहै, वह हमारे दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती रहे तथा किसी भी छिपे हुए एजेंडे को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में चीन अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहा है, साथ ही वह दक्षिण चीन सागर (एससीएस) और पूर्वी चीन सागर (ईसीएस) दोनों में क्षेत्रीय विवादों में भी उलझा हुआ है। जयशंकर ने कहा कि विकास संबंधी मुद्दे, मजबूत कनेक्टिविटी की कमी, अव्यवहार्य परियोजनाओं की वजह से उत्पन्न अपारदर्शी एवं अस्थिर ऋण का बोझ, आतंकवाद और अतिवाद से सामाजिक ताने-बाने को उत्पन्न खतरा, आतंकवाद से उत्पन्न खतरा, प्राकृतिक आपदाएं और जलवायु परिवर्तन, ये सभी ऐसी चुनौतियां हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगले दो वर्षों के लिए उपाध्यक्ष के रूप में, विश्व मित्र भारत, ग्लोबल साउथ की एक आवाज, आईओआरए के संस्थागत, वित्तीय और कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए आईओआरए सदस्य देशों के साथ काम करेगा ताकि इस गतिशील समूह की वास्तविक क्षमता को साकार किया जा सके।''

ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल अक्सर विकासशील और अल्प विकसित देशों के लिए किया जाता है, जो मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं। जयशंकर ने कहा कि एक समन्वयक देश के रूप में भारत का विशेष ध्यान समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा तथा 'नीली अर्थव्यवस्था' के क्षेत्रों पर होगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर भारत आईओआरए के अन्य प्राथमिकता वाले और अन्य संबंधित क्षेत्रों में भी योगदान देगा। जयशंकर बैठक में भाग लेने वाले 16 मंत्रियों में से एक हैं, जिसमें बांग्लादेश, ईरान, मॉरीशस, मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री भी शामिल हैं।

चीनी हिरासत से रिहा हुई जासूसी के आरोप झेलने वाली ऑस्ट्रेलियन पत्रकार, 3 साल बाद हुई वतन वापसी

संदिग्ध जासूसी के आरोप में दोषी ठहराई गई चीनी-ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार को तीन साल तक चीन में हिरासत में रखा गया था। अब उसकी वतन वापसी हो गई है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने इसकी जानकारी दी है। 48 साल की चेंग लेई चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अंतरराष्ट्रीय विभाग के लिए काम करती थीं। अल्बानीज़ ने कहा कि वह मेलबर्न में अपने दो बच्चों के साथ फिर से मिल गई है। उनकी वापसी अल्बानीज़ की इस साल बीजिंग की योजनाबद्ध यात्रा से पहले हुई है, जिसकी तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। अल्बानीज़ सरकार चेंग और 2019 से चीन में पकड़े गए एक अन्य चीनी-ऑस्ट्रेलियाई यांग हेंगजुन की रिहाई की पैरवी कर रही है। नौ साल के रूढ़िवादी शासन के बाद अल्बानीज़ की केंद्र-वाम लेबर पार्टी के चुने जाने के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हुआ है। बीजिंग ने ऑस्ट्रेलियाई निर्यात पर कई आधिकारिक और अनौपचारिक व्यापार बाधाएँ हटा दी हैं। अल्बानीज़ ने सुझाव दिया कि चेंग को हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा के आरोप में एक बंद अदालत के मुकदमे में दोषी ठहराए जाने के बाद सजा सुनाई गई थी। उनकी वापसी सुश्री चेंग और उनके परिवार के लिए बहुत कठिन कुछ वर्षों का अंत लाती है। सरकार लंबे समय से इसकी मांग कर रही है और उनकी वापसी का न केवल उनके परिवार और दोस्त बल्कि सभी आस्ट्रेलियाई लोग गर्मजोशी से स्वागत करेंगे।

इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय पर किया हमला, बताया हमास का अड्डा

गाजा (एजेंसी)। गाजा पट्टी में इजरायल की तरफ से ताबड़तोड़ बमबारी जारी है। इजरायली वायुसेना ने जानकारी में बताया है कि उनके फाइटर्स जेट ने गाजा में एक इस्लामिक यूनिवर्सिटी पर बमबारी की है। इसे हमास की इंजीनियरों के ट्रेनिंग का बड़ा केंद्र बताया जा रहा है। एएफपी संवाददाता और हमास से जुड़े संस्थान के एक अधिकारी ने कहा कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने बुधवार को गाजा शहर में इस्लामिक विश्वविद्यालय पर हमला किया। विश्वविद्यालय प्रबंधन के अहमद ओराबी ने एएफपी को बताया कि तीव्र हवाई हमलों ने इस्लामिक विश्वविद्यालय की कुछ इमारतों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

उन्होंने कहा कि आग और विश्वविद्यालय के आसपास की सड़कों पर बिखरे पत्थरों और मलबे के कारण कोई भी इसमें प्रवेश नहीं कर सकता। एएफपी संवाददाता ने बताया कि इमारतें ढहने से आसमान में धूल के घने बादल छा गए। इज़राइल ने गाजा के इस्लामी शासकों हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई अभियान शुरू किया है क्योंकि समूह के लड़ाकों ने शनिवार को सीमा पार हमला किया और सीमा के पास इजरायली समुदायों के माध्यम से घातक हिंसा की। लड़ाई में इज़राइल में कम से कम 1,200 और गाजा में 900 से अधिक लोग मारे गए हैं।

इजरायल की सेना ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा कि कुछ समय पहले, आईडीएफ ने गाजा में हमास के एक महत्वपूर्ण परिचालन, राजनीतिक और सैन्य केंद्र-इस्लामिक विश्वविद्यालय पर हमला किया। हमास ने एक विश्वविद्यालय को हथियार विकास और सैन्य खुफिया जानकारी के लिए प्रशिक्षण शिविर में बदल दिया। इस यूनिवर्सिटी में हमास ने ट्रेनिंग कैंप बना दिया था और यहां हथियार बनाए जा रहे थे और यहां लोगों को मिलिट्री इंटेलिजेंस सिखाया जा रहा था।

हमास आतंकियों का होगा खात्मा- हथियारों का जखीरा लेकर गाजा पहुंचा अमेरिकी विमान

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास के आतंकियों का सफाया करने में इजराइल के सैनिक पूरी ताकत से जुटे हुए है। इसके लिए अन्य देश भी इजराइल का साथ रहे हैं। अमेरिका ने गोला बारुद और तमाम आधुनिक हथियारों से भरा विमान गाजा में उतार दिया है। हालांकि किस तरह के हथियार हैं इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। इस आशय की पुष्टि इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने की है। इस विमान ने ऐसे समय में लैंडिंग की है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल को पूरा समर्थन देने की बात दोहराई है। गाजा में हमास के खतरनाक हमले में 14 अमेरिकी नागरिक भी मारे गए हैं। राष?ट्रपति बाइडन ने व्हाइट हाउस में इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। अमेरिका से पहुंचा यह पहला विमान है जो दक्षिणी इजरायल के एयरबेस नेवातिम पर लैंड हुआ है।

आईडीएफ ने अपनी एक्स पोस्ट पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा है कि अमेरिकी हथियारों को लाने वाला पहला विमान दक्षिणी इजरायल में नेवातिम एयरबेस पर पहुंच गया है। हालांकि आईडीएफ ने इसका खुलासा नहीं किया है कि उसे किस प्रकार के हथियार या सैन्य उपकरण मिले हैं। जैसे ही इजरायल ने हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ा, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की तरफ से इजरायल को युद्ध में मदद देने का ऐलान कर दिया गया। आईडीएफ की पोस्ट में लिखा है, हमारी सेनाओं के बीच सहयोग युद्ध के समय में क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वहीं दूसरी तरफ इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी बाइडेन से तीसरी बार टेलीफोन पर बात की। बातचीत के बाद नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, मैंने उन्हें बताया कि हमास आईएसआईएस से भी बदतर है और उनके साथ उसी तरह व्यवहार किया जाना चाहिए।

एफबीआई ने कहा, अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने को तैयार

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच छिड़ी जंग के चार दिन हो चुके है। इजराइल पर हमास के हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 900 से ज्यादा हो चुकी है, जबकि गाजा पर इजरायल के हवाई हमलों में कम से कम 560 लोग मारे गए हैं। इसी बीच अमेरिका की प्रमुख जांच एजेंसी एफबीआई ने चेतावनी जारी की है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कहा कि वे इजरायल पर आतंकवादी हमलों के मद्देनजर अमेरिकी नागरिकों की जान पर किसी भी संभावित खतरे की वह जांच कर रहे हैं और अपने नागरिकों को बचाने के लिए सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटने वाले हैं।

एफबीआई ने संदेश में कहा कि अभी तक हमें ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है जिसमें अमेरिकी नागिरकों की सुरक्षा को लेकर किसी भी खतरे की बात हो, लेकिन वह इजराइल पर हमास हमले और उसके बाद के हालातों पर करीबी से नजर बनाए हुए हैं और कोई सूचना मिलने पर उस तुंरत राज्य सरकारों, संघीय जांच एजेंसी और अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा। एफबीआई ने कहा कि हम कड़ा रुख अपनाने से बिल्कुल भी नहीं देर करने वाले और उचित कदम उठाएंगे।

एफबीआई ने बताया कि इजराइल में स्थित कानूनी एजेंसियों से जुड़े लोगों को आदेश दिया गया है कि वह इजराइल में अमेरिकी नागरिकों का पता लगाएं और उन्हें बचाएं। इजराइल स्थित अमेरिकी अधिकारी और एफबीआई मिलकर काम कर रहे हैं और इजराइल में फंसे अमेरिकी लोगों की वहां से सुरक्षित निकाला जा रहा है। इजराइल पर हमास के हमले में 11 अमेरिकी नागरिकों की मौत की खबर है। अमेरिका ने आशंका जाहिर की है कि जिन लोगों को हमास के आंतिकयों ने अगवा किया है, उनमें अमेरिकी नागरिक भी हो सकते हैं।

इजराइल पर हमास का हमला दुनिया पर थोपी गई एक बुराई है: बाइडन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को कहा कि इजराइल पर हमास का हमला विशुद्ध रूप से दुनिया पर थोपी गई एक बुराई है और इस हमले में कम से कम 14 अमेरिकी नागरिक मारे गए हैं। बाइडन ने कहा कि इजराइल को नष्ट करना और यहूदी लोगों को मारना हमास का घोषित उद्देश्य है। बाइडन ने व्हाइट हाउस से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा, 'हमारे जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब दुनिया पर बुराई थोपी जाती है। इजराइल के लोग इस सप्ताहांत ऐसे ही एक क्षण से गुजरे। यह हमला आतंकवादी संगठन हमास द्वारा किया गया जो ऐसा समूह है जिसका घोषित उद्देश्य यहूदियों को मारना है।'

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन इससे पहले इजराइल के प्रति अपने प्रशासन के समर्थन की प्रतिबद्धता जता चुके हैं। अमेरिका ने इजराइल के लिए समर्थन जुटाने और फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एक प्रमुख वैश्विक राजनयिक अभियान शुरू किया है। हमास ने शनिवार को इजराइल पर श्रृंखलाबद्ध हमले किये जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। इजराइल ने इस हमले के जवाब में गाजा पर हवाई हमले किये हैं, जिसमें 800 से अधिक लोग मारे गए हैं।

बाइडन ने कहा, 'इजराइल पर किये गए इस हमले में 1,000 से अधिक नागरिकों को मार डाला गया। सिर्फ हत्या नहीं की गई बल्कि लोगों का कत्लेआम किया गया। इनमें कम से कम 14 अमेरिकी नागरिक मारे गये हैं। उन माता-पिता को मार डाला गया जो अपने बच्चों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे थे। शिशुओं के मारे जाने की चौंकाने वाली खबरें हैं। पूरे परिवारों का खात्मा कर दिया गया। शांति का जश्न मनाने वाले एक संगीत समारोह में शामिल युवाओं की हत्या कर दी गई।'

बाइडन ने कहा कि इजराइल में हमास का कृत्य आतंकवाद था जो 'आईएसआईएस के आचरण से मिलता जुलता है।' उन्होंने कहा, 'यह घृणित है। हमास की क्रूरता आईएसआईएस के सबसे भयानक कृत्य की याद दिलाती है। यह आतंकवाद है, लेकिन दुख की बात है कि यहूदी लोगों के लिए यह कोई नई बात नहीं है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'इस हमले ने, दशकों पुरानी यहूदी विरोधी भावना और यहूदी लोगों के नरसंहार की दर्दनाक यादों और घावों को कुरेद दिया है। इसलिए, इस क्षण में, हमें बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। हम इजराइल के साथ खड़े हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इजराइल के पास अपने नागरिकों की देखभाल करने, अपनी रक्षा करने और इस हमले का जवाब देने के लिए वह सब कुछ हो, जिसकी उसे जरूरत है। आतंकवाद को किसी भी तरीके से जायज नहीं ठहराया जा सकता।।'

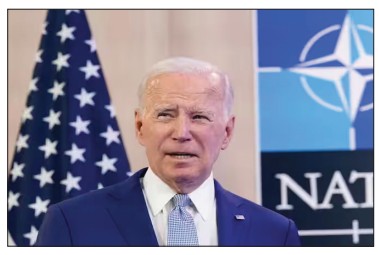

इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि वह 11-13 अक्टूबर तक इजराइल और जॉर्डन की यात्रा करेंगे, जहां वह वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा, 'मंत्री इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों के पीड़ितों के लिए अपनी संवेदना दोहराएंगे और हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करेंगे। वह इजराइल की सरकार और लोगों के साथ अमेरिका की एकजुटता भी दोहराएंगे। वह इजराइल की सुरक्षा को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा करेंगे और इजराइल के रक्षा के अधिकार के प्रति अमेरिका के अटूट समर्थन को रेखांकित करेंगे।' ब्लिंकन ने इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से बात की और इजराइल के अपनी रक्षा के अधिकार के प्रति अमेरिका का समर्थन दोहराया। उन्होंने मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदना भी दोहराई।

गाजा, इजरायली हमले में दोनों पक्षों के मृतकों की संख्या बढ़कर 1830 हुई

गाजा/यरुशलम (एजेंसी)। इजरायल पर हमास चरमपंथियों के हमले के बाद इजरायली सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर जबर्दस्त हमला किया है। हमले में दोनों पक्षों के 1830 लोगों की जान जा चुकी है।

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गाजा पट्टी के 830 लोगों की मौत हो गयी है और 4250 लोग घायल हो गए हैं।

हमास के हमले में 1000 से अधिक इजरायली नागरिकों की मौत की रिपोर्ट सामने आ रही है।

इस बीच इजराइल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने बताया कि हमास द्वारा शनिवार को देश पर अचानक हमला किए जाने के बाद से इजराइल में कम से कम 1,008 लोग मारे गए हैं। युद्ध में दोनों पक्षों के करीब 1830 से ज्यादा लोगों की मारे जाने की रिपोर्ट प्राप्त हो रही हैं। यह युद्ध चौथे दिन में प्रवेश कर गया है, जिससे दोनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है।

इजराइली सेना ने कहा कि गाजा के सत्तारूढ़ गुट, हमास और लेबनान में आतंकवादियों के साथ चल रहे संघर्ष में देश की मदद के लिए गोला-बारूद ले जाने वाला पहला अमेरिकी विमान कल रात इजराइल पहुंचा।

इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने एक बयान में कहा, विमान 'उन्नत गोला-बारूद' लेकर इज़राइल के दक्षिणी नेगेव रेगिस्तान में नेवातिम एयरबेस पर उतरा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप स्थिति को बढ़ने या इस युद्ध को व्यापक बनाने की कोशिश करने वाले किसी भी हरकत को रोकने के लिए पूर्वी भूमध्य सागर में पहुंचा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अनुसार इज़राइल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे युद्ध में मारे गए अमेरिकी नागरिकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। श्री बाइडेन ने कल एक भाषण में यह भी कहा था कि माना जाता है कि हमास आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाए गए लोगों में अमेरिकी भी शामिल हैं।

तेहरान- ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने कल इजरायल के खिलाफ फिलिस्तीनी प्रतिरोध समूहों द्वारा किए गए हमलों में अपने देश की संलिप्तता के आरोपों को खारिज कर दिया। तेहरान में एक स्नातक समारोह में ईरानी सशस्त्र बलों के कैडेटों को संबोधित करते समय श्री खामेनई ने इजरायल के समर्थकों और कुछ इजरायली व्यक्तियों के आरोपों को 'निरर्थक' बताया है।

शीर्ष नेता ने जोर देकर कहा कि जो कोई भी मानता है कि फिलिस्तीनी अपने दम पर हमले करने में असमर्थ हैं, वह उन्हें कम आंक रहा है। दक्षिणी अफ्रीकी देश बोत्सवाना भी इजराइल और गाजा में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय

समुदाय में शामिल हो गया है। बयान के अनुसार इजरायली-फिलिस्तीनी संघर्ष से सैकड़ों लोगों के घायल और विस्थापित होने सहित निर्दोष नागरिकों की जान चली गई है, साथ ही उनकी संपत्ति को भी बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है।

दोनों पक्षों द्वारा नागरिक आबादी पर जारी हमलों और हिंसा की निंदा करते हुए बोत्सवाना ने युद्धरत दोनों पक्षों से तुरंत शत्रुता बंद करने और शांतिपूर्ण तरीकों से बातचीत के जरिए समाधान निकालने का आह्वान किया।

उच्चतम न्यायालय की दो न्यायाधीशों वाली पीठ ने गर्भपात के मामले में अलग-अलग फैसला सुनाया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की दो न्यायाधीशों वाली पीठ ने विवाहित महिला को 26 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने के उसके नौ अक्टूबर के आदेश को वापस लेने संबंधी केन्द्र की याचिका पर बुधवार को अलग-अलग फैसला सुनाया न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने नौ अक्टूबर को आदेश पारित किया था। पीठ ने कहा कि केन्द्र की याचिका को अब प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के पास भेजा जाए ताकि उसे उचित पीठ के समक्ष भेजा जा सके। न्यायमूर्ति कोहली ने कहा कि वह 27 वर्षीय महिला को गर्भपात की अनुमति नहीं दे सकतीं, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने केन्द्र की याचिका खारिज कर दी और कहा कि पहला आदेश भली-भांति सोचकर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने नौ अक्टूबर को महिला को गर्भावस्था की चिकित्सीय समाप्ति की अनुमति दी थी। अदालत ने इस बात पर गौर किया कि वह अवसाद से पीड़ित है और भावनात्मक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से तीसरे बच्चे को पालने की स्थिति में नहीं है। महिला के दो बच्चे हैं। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को उस नयी चिकित्सकीय रिपोर्ट पर वेदना व्यक्त की जिसमें 26 सप्ताह की गर्भवती विवाहित महिला के भ्रूण के जीवित रहने की प्रबल संभावना जताई गई थी। प्रारंभ में उसे गर्भपात की इजाजत दी गई थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कौन सी अदालत कहेगी ''भ्रूण की हृदयगति बंद कर दो।''न्यायालय की कार्यवाही शुरू होने पर न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने पूछा, ''यदि चिकित्सक पिछली रिपोर्ट के दो दिन बाद इतने स्पष्ट हो सकते हैं, तो (पहले की) रिपोर्ट अधिक विस्तृत और अधिक स्पष्ट क्यों नहीं थी?'' पीठ ने केन्द्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरलसे पूछा, '' पहले की रिपोर्ट में वे अस्पष्ट क्यों थे?'' पीठ ने कहा कि उसने नई दिल्ली एम्स के चिकित्सकों की एक टीम द्वारा पेश रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए पिछला आदेश पारित किया था, जिसने महिला की जांच की थी।

'इंडिया' में शामिल होने संबंधी खबरें फर्जी, सतर्क रहें समर्थक : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होने की खबरों को फर्जी करार देते हुये इसे एक एजेंडे के तहत भ्रम फैलाने की साजिश बताया और अपने समर्थकों से सावधान रहने की अपील की।

सुश्री मायावती ने बुधवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'सपा नेता रामगोपाल यादव के हवाले से बीएसपी के 'इण्डिया' गठबंधन में शामिल होने के लिए मुलाकात की न्यूज18 चैनल पर प्रसारित खबर पूरी तरह से गलत, बेबुनियाद व फेक न्यूज। बार-बार ऐसी मनगढ़न्त खबरों से मीडिया अपनी इमेज खराब करने पर क्यों तुला है। कहीं ये सब किसी एजेण्डे के तहत तो नहीं।' उन्होने कहा, 'मीडिया द्वारा ऐसी अनर्गल खबरों का सपा व उनके नेता द्वारा खण्डन नहीं करना क्या यह साबित नहीं करता है कि उस पार्टी की हालत यहाँ उत्तर प्रदेश में काफी बदहाल है और वे भी उस घृणित राजनीति का हिस्सा हैं जो बीएसपी के खिलाफ लगातार सक्रिय है। ऐसी फेक खबरों से पार्टी के लोग सावधान रहें।'

चंद्रबाबू नायडू को बड़ी राहत, अमरावती इनर रिंग रोड मामले में हाईकोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

अमरावती। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने बुधवार को अमरावती इनर रिंग रोड मामले में पूर्व सीएम और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को अग्रिम जमानत दे दी। कोर्ट ने उनकी ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर बहस सुनी और अस्थायी जमानत दे दी। कोर्ट ने मामले में 16 अक्टूबर तक गिरफ्तारी न करने का अंतरिम आदेश भी जारी किया। कोर्ट ने सीआईडी को अंगालू 307 मामले में गुरुवार तक कोई गिरफ्तारी नहीं करने का भी निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने सीआईडी विजयवाड़ा एसीबी अदालत द्वारा दायर इनर रिंग रोड याचिका पर पीटी वारंट पर रोक लगा दी। इनर रिंग रोड (आईआरआर) घोटाला अमरावती शहर में आंतरिक रिंग रोड के निर्माण में कथित अनियमितताओं से संबंधित है। सीआईडी का आरोप है कि चंद्रबाबू नायडू समेत तेदेपा के नेताओं के स्वामित्व वाली कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए सड़क परियोजना में बदलाव किया गया था। एपी फाइबरनेट कथित घोटाला 2014-19 के बीच तेदेपा के शासन के दौरान हुआ था। अपराध जांच विभाग ने एपी स्टेट फाइबरनेट लिमिटेड (एपीएसएफएल) में अनियमितताएं पाई हैं, जिससे राज्य के राजस्व को कथित तौर पर 321 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

शाहनवाज हुसैन की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, रेप मामले में दिल्ली की एक अदालत ने भेजा समन

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता शाहनवाज हुसैन को बलात्कार और आपराधिक धमकी से संबंधित एक मामले में तलब किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 328 और 506 के तहत मामला दर्ज होने के बाद उन्हें 20 अक्टूबर को अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायतकर्ता का आरोप है कि बीजेपी नेता उसे एक फार्म हाउस में ले गए और उसके साथ रेप किया। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसने इस कृत्य का वीडियो बनाया और उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हुसैन के खिलाफ 'कोई मामला नहीं बनता है क्योंकि प्रथम दृष्टया कोई अपराध नहीं बनता है', अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट वैभव मेहता ने रद्दीकरण रिपोर्ट को खारिज कर दिया। जज ने कहा कि रद्दीकरण रिपोर्ट, शिकायतकर्ता द्वारा दायर विरोध याचिका, आईओ द्वारा दायर विरोध याचिका का जवाब और रिकॉर्ड पर अन्य सामग्री को देखने के बाद इस अदालत का मानना है कि शिकायतकर्ता ने पुलिस को, अदालत को लगातार बयान दिए हैं। अदालत ने कहा कि शिकायत को शुरू में खारिज करने का कोई कारण नहीं है। कोर्ट ने कहा कि जब तक आईओ यह स्थापित करने के लिए ऐसी सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं लाता कि उसके साथ बलात्कार होने की कोई संभावना नहीं है, इस अदालत के पास उसके मामले को शुरू में ही खारिज करने का कोई कारण नहीं है। इसमें यह भी कहा गया कि शिकायतकर्ता के बयान की विश्वसनीयता का पता ट्रायल कोर्ट के समक्ष जांच के बाद ही लगाया जा सकता है।

दिल्ली में सनसनीखेज वारदात, लूटने के बाद बदमाशों ने टैक्सी ड्राइवर को 200 मीटर तक घसीटा, दर्दनाक मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के महिपालपुर इलाके में सड़क पर लगभग 200 मीटर तक घसीटे जाने के बाद 43 वर्षीय एक टैक्सी ड्राइवर की मौत हो गई। यह घटना कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात करीब 11.30 बजे ड्राइवर सड़क पर गंभीर हालत में मिला और उसके सिर पर गंभीर चोट लगी थी। बाद में उसकी पहचान फरीदाबाद निवासी बिजेंद्र के रूप में हुई जो टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम करता था। पुलिस ने कहा कि बिजेंद्र महिपालपुर इलाके में अपनी टैक्सी चला रहा था जब लुटेरों के एक समूह ने उसका वाहन चुराने की कोशिश की। जब उसने विरोध किया, तो भागने की कोशिश में उन्होंने उसे टैक्सी से टक्कर मार दी और उसे 200 मीटर से अधिक दूर तक घसीटते रहे, जिससे उसकी मौत हो गई। वीडियो में दिल्ली-गुरुग्राम हाईवे पर महिपालपुर के पास तेज रफ्तार टैक्सी बिजेंद्र को घसीटते हुए दिख रही है। दिल्ली पुलिस ने हत्या और सबूत मिटाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए छह टीमें गठित की गई हैं। ऐसा ही हिट-एंड-ड्रैग का मामला 1 जनवरी को दिल्ली के कंझावला इलाके में सामने आया था जब 20 वर्षीय महिला और उसका दोस्त स्कूटी पर घर लौट रहे थे। अंजलि सिंह नाम की महिला की उस समय मौत हो गई जब उसके स्कूटर को एक कार ने टक्कर मार दी और उसे 12 किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गई। उसका नग्न शव घटनास्थल से कुछ किलोमीटर दूर पाया गया। पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

कांग्रेस के सीडब्ल्यूसी प्रस्ताव पर भड़के हिमंत सरमा, पाकिस्तान और तालिबान से कर दी तुलना

दिसपुर (एजेंसी)। युद्ध के नए दौर के बीच 'फिलिस्तीनी अधिकारों' के समर्थन में कांग्रेस के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के बयान में पाकिस्तान और तालिबान के बयानों के साथ आश्चर्यजनक समानताएं हैं। एक्स पर एक पोस्ट में सरमा ने कहा कि तीन पहलुओं में समानताएं हैं। कांग्रेस का प्रस्ताव हमास की निंदा न करें, इज़राइल पर आतंकवादी हमले की निंदा न करें और बंधकों महिलाओं और बच्चों पर चुप रहें। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए देश के हित की बलि चढ़ाना कांग्रेस के डीएनए में है।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि उसे फिलिस्तीनी लोगों के भूमि, स्व-शासन और गरिमा और सम्मान के साथ जीने के अधिकारों के लिए लंबे समय से समर्थन प्राप्त है। इसने इज़रायली बलों और हमास आतंकवादियों के बीच तत्काल संघर्ष विराम का भी आह्वान किया। सीडब्ल्यूसी फिलिस्तीनी लोगों के भूमि, स्व-शासन और गरिमा और सम्मान के साथ जीने के अधिकारों के लिए अपने दीर्घकालिक समर्थन को दोहराती है। कांग्रेस के बयान में कहा गया है कि सीडब्ल्यूसी तत्काल युद्धविराम का आह्वान करती है और सभी लंबित मुद्दों पर बातचीत शुरू करने का आह्वान करती है, जिसमें वे अनिवार्य मुद्दे भी शामिल हैं, जिन्होंने वर्तमान संघर्ष को जन्म दिया है।

इसे असम के मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। प्रस्ताव को लेकर भाजपा द्वारा कांग्रेस पर निशाना साधने के बाद पार्टी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी यही रुख अपनाया था। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद, भाजपा केवल कांग्रेस के बारे में बात कर रही है और अपने इतिहास के साथ-साथ वाजपेयीजी के भाषण को भी भूल गई है।

राज्यपाल बनने की खबरों को खुद जीतनराम मांझी ने किया खारिज

पटना। राजनीतिक गलियारों में इस बात की जोरदार चर्चा थी कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हम अध्यक्ष जीतन राम मांझी को केंद्र ने राज्यपाल पद की पेशकश की है। हालांकि, मांझी ने अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी राष्ट्रीय राजधानी यात्रा पूरी तरह से गैर-राजनीतिक थी। आपको बता दें कि मांझी अपनी दिल्ली की यात्रा पर हैं। राज्यपाल पद के सवाल पर मांझी ने कहा कि मैं बीजेपी के बड़े नेताओं से मिलता रहा हूं, लेकिन इस बार मेरी दिल्ली यात्रा राजनीतिक कारणों से नहीं है, यह एक निजी यात्रा है। हम एनडीए में सीट बंटवारे या सीटों के तालमेल पर राजनीतिक कारणों से उनसे (भाजपा नेताओं) मिले। चर्चा हुई है कि दशहरे के बाद सभी लोग यहां आयेंगे और फिर सारी बातों पर चर्चा होगी। 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान पर मांझी ने कहा कि वे (विपक्ष) आपस में लड़ रहे हैं और ऐसा करते रहेंगे। पीएम मोदी ने देश के लिए बहुत सारे विकास कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने एनडीए गठबंधन के पक्ष में वोट देने का मन बना लिया है। मांझी और बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं के बीच दिल्ली में हो रही मुलाकातों को देखते हुए कयास लगाए जा रहे थे कि उन्हें राज्यपाल पद मिल सकता है। हालांकि, HAM नेता ने इन अटकलों को काल्पनिक बताते हुए खारिज कर दिया। जीतन राम मांझी ने कहा, 'यह सब काल्पनिक है। जब से मैं एनडीए में शामिल हुआ हूं, तब से मैं बीजेपी नेताओं से मिलता रहा हूं। इससे पहले मैं राजनीतिक कारणों से मिला था। लेकिन इस बार मैं किसी राजनीतिक कारण से नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य कारणों से दिल्ली जा रहा हूं। मेरी आंख का ऑपरेशन 12 अक्टूबर को दिल्ली अस्पताल में होना है।' अंदरूनी सूत्रों के अनुसार बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के संस्थापक जीतन राम मांझी ने मुसहर जाति को अन्य जाति समूहों में विभाजित करने पर आपत्ति जताई है।

देश के 40 करोड़ युवाओं के लिए मोदी सरकार बना रही मेरा युवा भारत संस्था

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार की केंद्रीय कैबिनेट ने युवाओं के लिए 'मेरा युवा भारत संस्था' बनाने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि देश में 15 से 19 साल के बीच लगभग 40 करोड़ युवा है। इन युवाओं के लिए मेरा भारत नामक संस्था बनाने का निर्णय लिया है। भारत का युवा अपनी जिम्मेदारी को समझता है। पंच प्राण में पीएम कर्तव्य बोध की बात भी करते हैं। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने बताया कि पीएम की अध्यक्षता की कैबिनेट में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी युवाओं से जुड़ी है। 15 से 19 साल के बीच 40 करोड़ युवा हैं। ये भारत की बड़ी ताकत है। मॉय भारत' 'मेरा युवा भारत' नाम की संस्था बनाने का निर्णय हुआ है। इस कैबिनेट अनुमति दी है। कोविड के दौरान भी युवाओं ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया और सहयोग दिया है। युवाओं में सेवा भाव और कर्तव्यबोध हो और आत्मनर्भर भारत बनाने की लगन हो तब अगले 25 साल में भारत को विकसित भारत बनाने में बड़ी भूमिका हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने बताया कि स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता इन सब क्षेत्र में योगदान अगर किसी को देना होगा, तब ये प्लेटफॉर्म का बड़ा सहारा होगा। पीएम की इच्छा है कि देश के करोड़ों युवा इससे जुड़ें और अपना योगदान दें। 31 अक्टूबर को इस राष्ट्र के लिए समर्पित किया जाएगा। यानी सरदार पटेल की जयंती के दिन इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत होगी। स्वच्छ भारत 75 लाख किलो प्लास्टिक इकट्ठा करने का लक्ष्य रखा था, तब हमारे युवा ने 100 लाख किलो प्लास्टिक का लक्ष्य हासिल किया।

जेपी जयंती पर लखनऊ प्रशासन और सपा आमने-सामने

गेट फांद कर अखिलेश ने जयप्रकाश की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

लखनऊ (एजेंसी)। जयप्रकाश नारायण के जन्मदिन के मौके पर बुधवार को लखनऊ के जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (जेपीएनआईसी) में हंगामा हो गया। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, लेकिन इससे पहले ललित कला अकादमी (एलकेए) ने जेपीएनआईसी के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया था। अखिलेश यादव और उनके समर्थक गेट फांदकर अंदर घुस गए। इस आयोजन की जिम्मेदारी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी को दी गई। इसके लिए उन्होंने एलकेए को पत्र भेजकर अनुमति का अनुरोध भी किया था। हालांकि, एलकेए ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया और गेट पर ताला लगा दिया। इसके चलते अखिलेश यादव को कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने के लिए गेट फांदना पड़ा।

इस मुद्दे पर, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी करते हुए सवाल उठाया कि क्या भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) समाजवादी पार्टी को उसी तरह से जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि देने से रोकने की कोशिश कर रही है जैसे वह स्वच्छता अभियान चला रही है। जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर 2017 से समाजवादी पार्टी और वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार के बीच विवाद का विषय बना हुआ है। जेपीएनआईसी के संबंध में सुरक्षा स्थिति विवाद का एक प्रमुख मुद्दा रही है। इससे पहले अखिलेश यादव ने कुछ चैनलों को इंटरव्यू देकर कार्यक्रम स्थल को साफ-सुथरा रखने में एलकेए की लापरवाही को दर्शाया था। इसके बाद एलडीए के मौजूदा कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई।

अखिलेश यादव कहा कि महान समाजवादी विचारक, सामाजिक न्याय के प्रबल प्रवक्ता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर अब क्या सपा को माल्यार्पण करने से रोकने के लिए ये टिन की चद्दरें लगाकर छ्क्क्ष्ढ्ढष्ट का रास्ता रोका जा रहा है। सच ये है कि भाजपा लोकनायक जयप्रकाश जी के भ्रष्टाचार, बेकारी-बेरोज़गारी और महंगाई के खिलाफ़ छेड़े गये आंदोलन की स्मृति को दोहराने से डर रही है क्योंकि भाजपा के राज में तो भ्रष्टाचार, बेकारी-बेरोज़गारी और महंगाई तब से कई गुना ज़्यादा है। अब क्या माल्यार्पण के लिए भी जयप्रकाश नारायण जी की तरह 'सम्पूर्ण क्रान्ति' का आह्वान करना पड़ेगा। अगर भाजपा को यही मंज़ूर है तो यही सही।

मुर्मु जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंची

श्रीनगर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को यहां पहुंचीं। श्रीमती मुर्मु का श्रीनगर हवाई अड्डे पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जोरदार स्वागत किया। केन्द्रशासित प्रदेश की पहले दौरे पर राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति आज श्रीनगर में कश्मीर विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। वह दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि के तौर पर भाषण देंगी और उत्कृष्ट विद्वानों को डिग्री तथा पदक प्रदान करेंगी। उपराज्यपाल और कश्मीर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति सिन्हा समारोह की अध्यक्षता करेंगे। राष्ट्रपति मुर्मु दिन के दौरान यहां राजभवन में स्थानीय जनजाती समूहों और महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ बातचीत भी करेंगी। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि वह राजभवन में उनके सम्मान में आयोजित एक नागरिक अभिनंदन समारोह में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति गुरुवार को माता वैष्णो देवी मंदिर जाएंगी, जहां वह पुनर्निर्मित पार्वती भवन और स्काईवॉक का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति के कश्मीर दौरे के मद्देनजर श्रीनगर में सुरक्षा के चाकचौबंद व्यवस्था की गयी है।

अजित पवार गुट को जयंत पटल की चेतावनी, आपकी कार्यशैली सवाल उठाएंगे तो मुश्किल हो जाएगी

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट की महिला कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि इस बार सत्ता हमारे पास आएगी, चिंता मत कीजिए। हमें लड़ना होगा। पाटिल ने कहा कि शरद पवार मतदाताओं के मन में हैं। शरद पवार की कार्यशैली पर चुनाव आयोग में टिप्पणी की गई। 25 साल की सत्ता के बाद शरद पवार की कार्यशैली ने आपको पद दिलाए। पाटेल ने कहा कि आप मंत्री बने। लेकिन 25 साल बाद आप उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाते हैं। जयंत पाटिल ने सवाल उठाया कि शरद पवार की कार्यशैली की वजह से आपको 25 साल तक मौका मिला?

आलोचना हो रही है कि वह पार्टी को अपने दिमाग से चलाते हैं। लेकिन हमें ऐसा अनुभव नहीं हुआ। शरद पवार सभी पर भरोसा करके फैसले लेते हैं। जयंत पाटिल ने अजित पवार गुट को चेतावनी देते हुए कहा कि जब हम आपकी कार्यशैली पर सवाल उठाएंगे तो मुश्किल हो जाएगी। जयंत पाटिल ने कहा, ऐसे बयान दिए जा रहे हैं कि शरद पवार लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते हैं। शरद पवार के कार्यों से यह स्पष्ट हो गया कि इस देश में लोकतंत्र की कीमत पर इसकी आलोचना की जाएगी, लेकिन मैं लोकतंत्र की आलोचना के पक्ष में खड़ा रहूंगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर विभाजन पर निर्वाचन आयोग की सुनवाई के बीच, बगावती गुट के प्रमुख अजीत पवार ने मंगलवार को खुद को राकांपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया और एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के अपने कदम का बचाव किया। अजित पवार ने आठ अन्य राकांपा विधायकों के साथ शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में शामिल होने के बाद दो जुलाई को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

अरुंधति रॉय के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी, चिदंबरम ने की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने मंगलवार को भड़काऊ भाषणों से संबंधित 2010 के एक मामले में लेखिका अरुंधति रॉय के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के.सक्सेना की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ÷एलजी और उनके आकाओं÷ के शासन में सहिष्णुता या सहनशीलता के लिए कोई जगह नहीं है। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि 2010 में रॉय के खिलाफ राजद्रोह के आरोप में मामला दर्ज करने का कोई औचित्य नहीं था और अब उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का भी कोई औचित्य नहीं है।

कथित भड़काऊ भाषणों से जुड़े 2010 के एक मामले में सक्सेना द्वारा उपन्यासकार अरुंधति रॉय और एक पूर्व कश्मीरी प्रोफेसर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने के बाद चिदंबरम की टिप्पणी आई। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा जारी निर्देशों के बाद रॉय और पूर्व व्याख्याता शेख शौकत हुसैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। नई दिल्ली में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा जारी निर्देशों के बाद रॉय और पूर्व व्याख्याता शेख शौकत हुसैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। चिदंबरम ने अपन एक्स पोस्ट में लिखा कि मैंने 2010 में सुप्रसिद्ध लेखिका और पत्रकार सुश्री अरुंधति रॉय के भाषण पर जो कहा था, उस पर आज भी कायम हूं। तब उनके खिलाफ देशद्रोह के आरोप में मामला दर्ज करने का कोई औचित्य नहीं था। अब उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने का कोई औचित्य नहीं है।

पूर्व गृह मंत्री ने आगे कहा कि राजद्रोह का कानून माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक से अधिक अवसरों पर समझाया गया है। ऐसा भाषण जो सीधे तौर पर हिंसा नहीं भड़काता, देशद्रोह नहीं माना जाएगा। जब भाषण दिए जाते हैं, भले ही कई लोग असहमत हों, राज्य को सहिष्णुता और सहनशीलता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं अभिव्यक्ति की आजादी के पक्ष में और राजद्रोह के औपनिवेशिक कानून के खिलाफ हूं। धारा 124ए का अक्सर दुरुपयोग किया गया है और इसलिए इसे खत्म किया जाना चाहिए। कानून के अन्य प्रावधान भी हैं जो हिंसा भड़काने से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। यह स्पष्ट है कि एलजी (और उनके आकाओं) के शासन में कोई जगह नहीं है सहिष्णुता या सहनशीलता के लिए; या उस मामले के लिए जो लोकतंत्र की अनिवार्यताएं हैं।

अचानक आई बाढ़ में फंसे पर्यटकों को बाहर निकालने में जुटीं वायु सेना

-सिक्किम के प्रभावित इलाकों में संपर्क बहाल करने की कोशिश कर रहा बचाव दल

गंगटोक (एजेंसी)। उत्तर सिक्किम में अचानक आयी बाढ़ ने जनजीवन तहस-नहस कर दिया है। बचाव दलों द्वारा बाढ़ से अलग-थलग हुए इलाकों में अस्थायी पुल बनाकर तथा अन्य साधनों के जरिए संपर्क बहाल करने पर काम किया जा रहा है जबकि विभिन्न इलाकों में फंसे पर्यटकों को निकालने का अभियान बुधवार को भी जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि सेना और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के कर्मी परेशानी में फंसे लोगों तक आवश्यक सामान भेजने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारतीय वायु सेना ने उत्तर सिक्किम में फंसे तकरीबन 1700 पर्यटकों में से 26 विदेशियों समेत कुल 690 पर्यटकों को सोमवार तक लाचेन और लाचुंग शहरों से हवाई मार्ग से निकाला है। हालां?कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है, इसलिए शेष पर्यटकों को बुधवार को निकाला जाएगा। अचानक आयी बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित चुंगथांग इलाके में सेना और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कर्मियों ने पूरे शहर में सड़क से मलबा साफ किया।

यहां पर भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और स्थानीय लोगों की मदद से लकड़ी का एक पुल बनाया गया। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पर्यटकों समेत 500 से अधिक लोग इस पुल से गुजरे। सेना के इंजीनियर इस पुल को मजबूत बनाने का काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्गम क्षेत्र और खराब मौसम से जूझते हुए सेना के एक दल ने चातेन इलाके में फंसे 11 नागरिकों को तत्काल भोजन और चिकित्सा सहायता उपलब्ध करायी। यहां पर एक हेलीपेड बनाया गया और बाद में उन्हें वहां से निकाला गया। इससे पहले, बाढ़ के कारण राज्य के शेष हिस्सों से कटे राबोम गांव तक जाने के लिए एक पैदल रास्ते को खोला गया।

मुख्य सचिव ने बताया कि भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर ने स्थानीय लोगों, सेना तथा आईटीबीपी कर्मियों के लिए उत्तर सिक्किम में करीब 58 टन राहत सामग्री भी पहुंचायी। बताया जा रहा है कि चार अक्टूबर को बाढ़ आने के एक सप्ताह बाद भी 76 लोग लापता हैं। सिक्किम और पश्चिम बंगाल के अधिकारियों के अनुसार, अभी तक सिक्किम में 36 शव मिले हैं जबकि पड़ोसी पश्चिम बंगाल में नदी के किनारे स्थित कई स्थानों से 41 शव मिले हैं। ल्होनाक हिमनद झील में बादल फटने से भारी मात्रा में पानी आया, जिससे तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इससे कई शहर और गांव जलमग्न हो गए तथा करीब 87,300 लोग बाढ़ के पानी से प्रभावित हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

मासूम पर टीचर की क्रूरता सीसीटीवी में कैद

क्लास में 4 साल की छात्रा की पीठ पर 35 थप्पड़ मारे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत,सूरत में जूनियर केजी में पढ़ने वाले एक छात्र को टीचर के द्वारा पीटने की घटना सामने आया.बच्ची के बगल में बैठे शिक्षक द्वारा उसे पढ़ाने की बजाय लगातार पीठ पर थप्पड़ मरने की घटनाक्रम सी. सी.टीवी. में रिकोर्ड हों गया,टीचर इतनी बेरहमी से मार रही है मानो उसके मन में बच्चों के लिए कोई भावना ही न हो.पूरी घटना साधना निकेतन स्कूल की है और स्कूल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें टीचर मासूम बच्ची की पीठ पर 35 और गाल पर 2 बार थप्पड़ मारता नजर आ रहा है. सी.सी. फुटेज देखने के बाद बच्ची के माता-पिता घटना की जानकारी संबंधित विभाग और पुलिस को देने के बाद यह घटना प्रकाशित हुआ.

साधना निकेतन स्कूल के क्लासरूम का सीसीटीवी सामने आ गया, जिसमें केजी में पढ़ने वाली मासूम छात्रा की पीठ पर एक के बाद एक थप्पड़ मारते साफ देखा जा सकता है.टीचर ने मासूम बच्ची की पीठ पर 35 थप्पड़ मारे और दो थप्पड़ उसके गाल पर मारे. जशोदा नाम की इस टीचर ने चार साल की मासूम बच्ची को इतना पीटा कि बच्ची की पीठ लाल हो गई.बच्ची के पिता हितेश सरवैया ने बताया कि जब वह स्कूल से घर आई तो यूनिफॉर्म बदलते समय मेरी पत्नी को उसकी पीठ पर लाल दाग दिखे।जब वह स्कूल पहुंचे तो स्कूल बंद था।

बाद में जब हम दोबारा गए तो प्रिंसिपल से मिले और उनसे सीसीटीवी हमारे सामने दिखाने को कहा.जैसा कि सीसीटीवी में देखा गया है, मेरी बेटी को शिक्षक ने 35 से अधिक बार पीठ पर थप्पड़ मारा, जिसके कारण उसकी पीठ पर लाल धब्बे पड़ गये.कपोदरा ने इस मामले की जानकारी पुलिस को भी दी है.

रांदेर पुलिस ने दो लाख की मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ पति-पत्नी को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सूरत पुलिस नो ड्रग्स इन सिटी अभियान के तहत मादक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। तभी रांदेर पुलिस ने ड्रग्स तस्करी की गुप्त सूचना के आधार पर भेष बदलकर ड्रग तस्कर पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया।

सूरत शहर के रांदेर पुलिस स्टेशन के पीआई अतुल सोनारा की टीम ने भेष बदलकर आरोपी पेडलर पति-पत्नी को मेफड्रोन ड्रग्स के साथ पकड़ लिया। आरोपी पुलिस के सामने खड़ा था क्योंकि वह पहले भी नशीले पदार्थों के अपराध में गिरफ्तार हो चुका था, पुलिस ने भेष बदलकर निगरानी बनाई।

आरोपी समीर उर्फ लालो मुनाफ मलिक को उसकी पत्नी के साथ रामनगर चार रास्ता के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। रांदेर पुलिस ने दो लाख की नशीली दवाएं जब्त कीं। दंपत्ति ड्रग्स का कारोबार कर रहा था। रांदेर पुलिस ने जोड़े को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की है। ड्रग्स कहां से और किससे लाया गया, इसकी जांच की गई है।

एसजीसीसीआई और वियतनाम इंटरनेशनल एंटरप्रेन्योर्स नेटवर्किंग क्लब के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए

चैंबर ऑफ कॉमर्स का मिशन 84 परियोजनाओं से हटकर है, जिसका लाभ पुरे विश्व को होगा

वियतनाम के महावाणिज्य दूत बिंग क्वांग ली दोनों संगठनों के अध्यक्षों ने हस्ताक्षर किये

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा सरसाना में एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन 84 के तहत वियतनाम में विभिन्न उद्योगों और निर्यात के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए एक इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें वियतनाम के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूत बिंग क्वांग ली और वियतनाम इंटरनेशनल एंटरप्रेन्योर्स नेटवर्किंग क्लब के अध्यक्ष दिन्ह विन्ह कुओंग मौजूद थे।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने मिशन 84 परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी और भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए इस परियोजना की आवश्यकता और महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि चेंबर ऑफ कॉमर्स गुजरात क्षेत्र सहित पूरे भारत से निर्यात बढ़ाने के लिए मिशन 84 परियोजना के तहत एक ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय मंच बनाने जा रहा है, जिससे 84,000 भारतीय उद्यमी और दुनिया के विभिन्न देशों में कारोबार करने वाले 84,000 व्यवसायी जुड़ेंगे। इसी तरह भारत के 84 चैंबर्स ऑफ कॉमर्स और 84 देशों के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स को भी इस ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाया जाएगा।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि मिशन 84 परियोजना के तहत, भारत में कार्यरत 84 देशों के महावाणिज्यदूत और दुनिया के 84 देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजदूत भी इस मंच पर शामिल हैं, जो उद्यमियों को उन देशों में व्यापार के अवसरों के बारे में मार्गदर्शन करने का प्रयास करेंगे। इसलिए उन्होंने मुंबई स्थित वियतनाम के महावाणिज्य दूत बिंग क्वांग ली और वियतनाम इंटरनेशनल एंटरप्रेन्योर्स नेटवर्किंग क्लब के अध्यक्ष दीन्ह विन्ह कुओंग से मिशन 84 परियोजना में शामिल होने का अनुरोध किया।

वियतनाम के महावाणिज्यदूत बिंग क्वांग ली ने कहा कि भारत वियतनाम के लिए सबसे विश्वसनीय व्यापार भागीदार है। वियतनाम भारत से औद्योगिक मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स, धातु, खनिज और कृषि उत्पादों का आयात करता है। जबकि भारत टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में मोबाइल हैंडसेट आदि का निर्यात करता है। उन्होंने वियतनाम के पिछले चार-पांच साल के आयात-निर्यात के आंकड़े देकर पूरा चार्ट पेश किया।

उन्होंने कहा, जिस तरह से भारत विकास कर रहा है, उसे देखते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि भारत अगले साल 2017 तक पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि वियतनाम युवा उद्यमियों का देश है और भारत में भी युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके अलावा, चूंकि भारत की युवा पीढ़ी व्यवसाय में उतर रही है और विभिन्न उद्योगों में नए उद्यम कर रही है, इसलिए भारत और वियतनाम दोनों के बीच अच्छा व्यापारिक तालमेल हो सकता है।

वियतनाम अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण भारत के साथ लॉजिस्टिक पार्टनर के रूप में काम कर सकता है। अब हर दिन कारोबारी और पर्यटक भारत से उड़ानों से वियतनाम आते हैं। वर्तमान समय में वियतनाम भारतीयों के लिए एक पर्यटन और विवाह स्थल बन गया है। वियतनाम में चार से पांच विवाह स्थल हैं जिनके लिए भारतीयों को वीजा की आवश्यकता नहीं होती है, इसलिए उन्होंने चैंबर ऑफ कॉमर्स से सूरत से वियतनाम के लिए सीधी उड़ान प्राप्त करने का प्रयास करने का अनुरोध किया।

वियतनाम के महावाणिज्यदूत ने चैंबर ऑफ कॉमर्स के मिशन 84 प्रोजेक्ट के बारे में कहा कि यह प्रोजेक्ट लीक से हटकर है। जो उद्यमी और व्यवसायी इस परियोजना से जुड़ेंगे उन्हें न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर व्यापार में लाभ होगा। उन्होंने मिशन 84 परियोजना में शामिल होने के चैंबर अध्यक्ष के अनुरोध को सहर्ष स्वीकार कर लिया और चैंबर ऑफ कॉमर्स के नेतृत्व में सूरत के व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल को वियतनाम आने के लिए आमंत्रित किया।

वियतनाम इंटरनेशनल एंटरप्रेन्योर्स नेटवर्किंग क्लब के अध्यक्ष दिन्ह विन्ह कुओंग ने कहा कि उनके क्लब से 7 हजार से ज्यादा उद्यमी जुड़े हुए हैं, जिनके दूसरे देशों के साथ व्यापारिक संबंध हैं। ये सभी उद्योगपति व्यापार-उद्योग के उद्देश्य से दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 11 हजार से अधिक सदस्यों (उद्योगपतियों) से जुड़े हो सकते हैं। सूरत के उद्योगपतियों और वियतनामी व्यापारियों के बीच एक इंटरैक्टिव बैठक की व्यवस्था की जाएगी ताकि विभिन्न उत्पादों का एक-दूसरे के साथ आदान-प्रदान किया जा सके। इसके लिए द सदर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और वियतनाम इंटरनेशनल एंटरप्रेन्योर्स नेटवर्किंग क्लब के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। जिस पर दोनों संगठनों के अध्यक्षों ने हस्ताक्षर किये।

मिशन 84 के परियोजना प्रमुख परेश भट्ट ने इंटरैक्टिव बैठक का संचालन किया। बैठक में मिशन ८४ परियोजना समन्वयक संजय पंजाबी ने बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में चैंबर के मानद कोषाध्यक्ष किरण थुम्मर और सदस्य जमन रामोलिया और सूरत के उद्योगपति उपस्थित थे। चैंबर के पूर्व अध्यक्ष रोहित मेहता ने बैठक में उपस्थित सभी को धन्यवाद दिया और फिर बैठक संपन्न हुई।

उधना शास्त्री नगर में रास्ते पर से दबाण हटाया गया

आंबेडकर प्रतिमा से भाठेना नहर की ओर जाने वाली सडक को खुला किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। साऊथ जोन उधना के एडीशनल सिटी इंजिनियर तथा जोनल चीफ एवं कार्यपालक इंजिनियर के आदेश और मार्गदर्शन में उधना जोन में शामिल रिंगरोड मानदरवाजा पर डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा से भाठेना जानेवाला रास्ते से लारी गल्ले का दबाण हटाया गया। दबाण दुर करने के साथ सफाई अभियान चलाया गया। इस कार्य में लिंबायत और उधना जोन के स्टाफ ने संयुक्त रूप से कामगीरी की। रास्ते पर से संपत्तीधारकों द्वारा किया गया दबाण दुर करने के साथ घनिष्ठ सफाई की गई। अंदाजित 500 मीटर लंबाई क्षेत्र में रास्ते पर से सभी प्रकार के दबाण को दुर किया गया। रास्ता और फुटपाथ पर दबाण के सामान को जब्त किया गया। स्टाफ ने बेनर स्टेन्ड 29, मंडप स्टेन्ड 6, टायर और टायर रिंग 95, खुली तथा बंद लोरी 4, काउन्टर 3, सोलीड कचरा 12 मेट्रीक टन, कन्स्ट्रक्शन एन्ड वेस्ट 80 मेट्रीक टन एवं 3 किलोग्राम प्लास्टीक जब्त किया गया। इस कार्यवाही के दौरान उधना जोन के स्वास्थ विभाग के अधिकारी, डेप्युटी इंजियिनर, आसिस्टंट इंजिनियर, लाईट विभाग, दबाण विभाग का स्टाप ,कोन्ट्राक्ट स्टाफ, एसआरपी, ट्राफिक पुलिस की मदद से दबाण शांतीपूवर्क हटाया गया।

नगर निगम ने सखी मंडल की बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवरात्रि मेले का आयोजन

नगर निगम द्वारा चनियाचोली की बिक्री के लिए 9 जोन में 92 स्टॉल लगाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :नवरात्रि मेले का उध्घाटन किया गया सखी मंडल की बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सूरत नगर निगम की ओर से मंच बनाए गए हैं। शहर के विभिन्न ९ जोन में चनियाचोली समेत नवरात्र सामग्री बेचने के लिए ९२ स्टॉल लगाए गए हैं। ताकि सखी मंडल की बहनों को रोजगार के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी मिल सके।

महापौर दक्षेश मावानी ने कहा कि सूरत नगर निगम की ओर से हर साल इस तरह का आयोजन किया जाता है। आज से स्टॉल खुल गए हैं, इस प्रकार के स्टॉल से बहनों को आर्थिक मजबूती मिलती है। अच्छी कमाई भी हो रही है। इससे पहले एयरपोर्ट पर २ स्टॉल भी लगाए गए थे। जिसमें बहनों ने ४ लाख की कमाई की।

गणेश विसर्जन के दौरान भगवान के वस्त्र (वाघा) जो पानी में बहा दिए जाते थे। सभी कृत्रिम तालाबों पर नगर निगम में काउन्टर लगाकर भगवान के वस्त्रों को एकत्रित किया गया था। उन वस्त्रों का वेस्ट में से बेस्ट उपयोग महिलाओं द्वारा किया गया। इसके सर्वोत्तम उपयोग से चनिया चोली बनाई है। इस चनिया चोली का स्टोल पर प्रदर्शन के साथ बिक्री भी हो रही है। बिक्री से सखी मंडल की बहनों को सीधा लाभ होने से उनके परिवार को भी आर्थिक मजबूती मिल रही है।

विभिन्न जोनों में दिनांक 11-10-2023 से 18-10-2023 के दौरान आयोजित होने वाले "नवरात्रि मेला-2023" के विभिन्न स्थानों की सूची नीचे दि गई है समय सुबह 11.00 बजे का रहेगा।

कतरगाम जोन में सिंगणपोर बहुउद्देशीय हॉल के बाहर, प्रमुख विद्यालय के बगल में, जय शिवम सोसाइटी के सामने, सिंगणपोर रोड, सूरत।

*** उधना जोन-ए में नं.219-220, नं. स्कूल की दीवार के पास, शहरी स्वास्थ्य केंद्र के बगल में, गु.हा.बोर्ड, पांडेसरा, सूरत।

*** सेन्ट्रल जोन में लालदरवाजा ब्रिज के नीचे, खोडियार माता मंदिर के सामने, सूरत।

*** रांदेर जोन स्कूल चिल्ड्रन होम पार्टी प्लॉट, गंगेश्वर महादेव मंदिर के सामने, हनीपार्क रोड, अडाजण, सूरत।

***लिंबायत जोन में मॉडर्न टाउन सब्जी बाजार के पास (खुला प्लॉट), लिंबायत, सूरत।

***अठवां जोन में कारगिल सर्कल के पास, लेकव्यू गार्डन के बगल में फुटपाथ, साइकिल स्टैंड के बगल में, पिपलोद और अर्देशर कोटवाल बाग, एच.पी. पेट्रोल पंप के पास, सिटीलाइट कैनाल रोड, अणुव्रत द्वार, सूरत।

अडाजन में 8 साल पहले बने आवास की छत गिरी, गैलरी में खेल रहे बच्चों को बचाया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :2015 में बना आवास जर्जर हो गया है सूरत के अडाजण इलाके में मकानों की परत ढह गई तो लोग जान बचाकर भाग गये। साथ ही गैलरी में खेल रहे बच्चों को भी चमत्कारिक ढंग से बचाया गया। दूसरी ओर, कोई बड़ी चोट या मृत्यु नहीं हुई। लेकिन आठ साल पहले बने आवास की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गये हैं।